हरिभूमि
रायपुर भूमि


क्रिकेट स्टेडियम में टीम इंडिया ने दो घंटे किया अभ्यास





स्मृति-हरमनप्रीत के साथ टीम ने मैदान पर बहाया पसीना, लगाए चौके-छक्के, समझा पिच का मिजाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलने रायपुर पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सोमवार को अभ्यास के दौरान जमकर पसीना बहाया। टीम के सभी खिलाड़ियों ने मैदान का जायजा लिया और पिच का मिजाज समझने का प्रयास किया। अभ्यास सत्र में ⏭शेष पेज 13 पर



गेंद की गति के अनुसार लगाए लंबे और बड़े शॉट

रायपुर की पिच गेंदबाजों के लिए मददगार रही है। ऐसे में कप्तान और खिलाड़ियों ने सबसे पहले पिच पर गेंद की उछाल, गति तथा नई एवं आउटस्विंग गेंदों के व्यवहार को समझने पर ध्यान दिया। खिलाड़ियों ने गेंद की गति के अनुसार लंबे और बड़े शॉट लगाने का अभ्यास भी किया। दो घंटे से अधिक चले अभ्यास सत्र में पूरी टीम ने मैदान के चक्कर लगाकर वॉर्मअप किया और इसके बाद बल्लेबाजी तथा गेंदबाजी का अभ्यास किया। इस दौरान कप्तान और कोच अन्य खिलाड़ियों के साथ रणनीति पर चर्चा करते भी नजर आए।

दोपहर में पहुंची जिम्बाब्वे की पूरी टीम

सीरीज खेलने के लिए दोपहर में जिम्बाब्वे की टीम रायपुर पहुंची। एयरपोर्ट से निकलकर टीम सीधे होटल पहुंची। सोमवार को आराम करने के बाद आज टीम मैदान में अभ्यास करने उतरेगी। बता दें कि जिम्बाब्वे टीम में कप्तान जोसेफिन नकोमो के साथ बिलव्ड बीजा, चिपो मुगेरी-तिरीपानो, केलिस नदलोवु, मिचेल मावुंगा, फ्रांसिस्का चिपारे, ओलिंडर चारे, कुदजई चिगोरा, न्याशा ग्वानजुरा, नोमवेलो सिबांडा, लोरिन फिरी, चिएद्जा धुरुं, मोडेस्टर मुपाचिक्वा, तेंदई मकुश, शार्ने मेयर्स रायपुर पहुंची हैं।

खबर संक्षेप

वीआईपी सुरक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षण

रायपुर। पुलिस की पहल पर 9 से 12 अक्टूबर तक चार दिवसीय पीएसओ प्रशिक्षण कार्यशाला लगाई गई। कार्यशाला में 70 जवानों ने विशेष प्रशिक्षण हासिल किया। विशेष प्रशिक्षण के समापन अवसर पर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले, डीसीपी तारकेश्वर पटेल (मध्य), एसीपी निलेश कुमार द्विवेदी सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस कमिश्नर ने अपने वक्तव्य में कहा कि छत्तीसगढ़ की राजधानी होने के कारण रायपुर में प्रतिदिन वीआईपी, वीवीआईपी, अन्य राज्यों के विशिष्ट अतिथियों एवं केंद्रीय मंत्रियों का आगमन होता रहता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।



आपसी रंजिश पर महिला के साथ मारपीट

रायपुर। आपसी रंजिश के कारण एक महिला के साथ घर घुसकर मारपीट की गई है। घटना खमतराई थाना क्षेत्र की है। रावांभाठा, बुधवारी बाजार निवासी उर्मिला यादव ने धीरज तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि आपसी रंजिश के कारण युवक तथा उसके साथी ने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश कर पति, बेटे तथा उसके साथ बुरी तरह से मारपीट की।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत

रायपुर। मुजगहन थाना क्षेत्र के धनेली, जंगल रोड में अज्ञात वाहन के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बोरियाकला, मठपारा निवासी अमिताभ पवन धीवर की रोड एक्सीडेंट में मौत हुई है। वह अपनी बाइक से आ रहा था, धनेली, जंगल रोड के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को ठोकर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नो एंट्री में ओवरलोड हाईवा 1.44 लाख लगाया जुर्माना

रायपुर। नो एंट्री के समय शहर के अंदर रेत से ओवरलोड हाईवा घुसाने वाले ड्राइवर तथा गाड़ी मालिक के खिलाफ कोर्ट ने अब तक की सबसे बड़ी जुर्माना कार्रवाई करते हुए दोनों के खिलाफ 72-72 हजार, कुल एक लाख 44 हजार रुपए जमा करने के आदेश दिए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने रेत से लदे हाईवा के खिलाफ 8 अक्टूबर को कार्रवाई करते हुए उसे जब्त किया था। ट्रैफिक पुलिस ने हाईवा सीजी-24, वी-9487 को अमलीडीह के व्यस्त मार्ग महात्मा गांधी नगर के पास पकड़ा था। प्रतिबंधित समय पर क्षमता से अधिक (15 टन 860 किग्रा ओवरलोड) रेत का परिवहन करते पाए जाने पर वाहन जब्ती की कार्रवाई की गई। कोर्ट ने अभनपुर बेंद्री निवासी वाहन चालक हेमकुमार एवं बालोद दल्लीराजहरा निवासी स्वामी केवल सिंह साहू के खिलाफ प्रकरण तैयार कर कोर्ट में पेश किया।

आंकड़ों में थोक दिखाकर एक-दो डॉक्टरों से चला रहे काम दस्तावेजों में भी बड़ा हेरफेर

आयुष्मान में खेल, सामान्य मरीजों का हार्ट-किडनी फेल्योर पैकेज से इलाज, ओडिशा-मप्र से लाए मरीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी समेत प्रदेश में संचालित आयुष्मान योजना में पंजीकृत हास्पिटल एजेंटों के भरोसे चल रहे हैं। उन्हें कमीशन देकर दूरवर्ती जिलों के साथ ओडिशा और मध्यप्रदेश से भी मरीज मंगाए जा रहे हैं। सामान्य शिकायत वालों को हार्ट और किडनी फेल्योर, निमोनिया जैसे पैकेज में उपचार दिया जा रहा है। आयुष्मान के आंकड़ों में थोक में डाक्टर दर्ज हैं, मगर अस्पतालों में एक-दो के भरोसे ही काम चलाया जा रहा है। इसके अलावा मरीजों के दस्तावेजों में भी बड़ा हेरफेर किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम एक बार फिर निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के नाम पर किए जाने वाले हेरफेर पर लगाम कसने की तैयारी में है। जल्द ही बड़ी संख्या में अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इन अस्पतालों में आयुष्मान के नाम पर भारी गड़बड़ी मिली है, जिसमें दूसरे राज्यों से बस और अन्य गाड़ियों में भरकर दलालों के माध्यम से मरीज लाने का मामला बेहद संवेदनशील है। इसके अलावा शरीर में दर्द जैसी शिकायत वाले मरीजों के आयुष्मान कार्ड में अति गंभीर बीमारियों का पैकेज ब्लॉक कर उनका आईसीयू में इलाज करना दिखाया गया है। इसके अलावा कुछ अस्पतालों ने तो सितंबर में अक्टूबर महीने की जांच रिपोर्ट के आधार पर अपनी इलाज प्रक्रिया पूरी की है। कुछ अस्पतालों ने आयुष्मान पोर्टल में डाक्टरों की संख्या पर्याप्त दिखा दी है, मगर जांच के लिए स्टेट नोडल एजेंसी की टीम अस्पताल पहुंची तो वहां एक-दो डाक्टरों की उपस्थिति पाई गई।



खास खबर

कमीशन देकर ओडिशा ही नहीं, मध्यप्रदेश से भी गाड़ियों में भरकर मंगाए जा रहे मरीज

आंकड़ों में थोक दिखाकर एक-दो डॉक्टरों से चला रहे काम, दस्तावेजों में भी बड़ा हेरफेर

राजधानी के पांच अस्पतालों से इन शिकायतों पर मांगा जवाब

1. श्रीनिवास हास्पिटल, एकता नगर, गुढ़ियारी – एजेंट के जरिए लंबे समय से ओडिशा-एमपी के मरीजों की व्यवस्था, सामान्य शिकायतों पर हृदय और रीनल फेलियर के पैकेज बुक, दस्तावेज हेरफेर, भर्ती मरीज की दवा के दस्तावेजों अंतर
2. एसके केयर हास्पिटल, पचपेड़ी नाका – मरीजों से दवाओं के पैसे, 20 से ज्यादा डाक्टर दिखाकर 3-4 से काम, पेट में सूजन को निमोनिया बताकर इलाज, दवा, डिस्चार्ज के कागजों में हेरफेर
3. विजन सेंटर आई हास्पिटल विवेकानंद आश्रम – हितग्राहियों के दस्तावेजों में कमी, तीन महीने में केवल एक मरीज का इलाज सहित अन्य तरह की कमियां
4. श्री अनंत साईं हास्पिटल, तेलीबांधा – एजेंट की मदद से मरीज बुलाना, ज्यादातर पेंशेंट एक ही स्थान के रहने वाले, मरीजों को अस्पताल से छुट्टी एक साथ दिए जाने का मामला
5. वरदान हास्पिटल, शंकरनगर – एमपी के मरीज जो एजेंट के साथ पहुंचे, निमोनिया के मरीजों को जांच नहीं और अनावश्यक रूप से आईसीयू में भर्ती, गलत पैकेज में मरीज का इलाज, डाक्टर की नियुक्ति के दस्तावेज

क्यों न करें अनुशासनात्मक कार्रवाई

स्टेट नोडल एजेंसी की टीम ने 30 सितंबर को जांच के बाद जिन 17 अस्पतालों में गंभीर गड़बड़ियां मिली हैं, उनकी जांच पूरी हो चुकी है। रायपुर के सात में से पांच अस्पतालों को तीन दिन का नोटिस देकर गंभीर लापरवाही और गड़बड़ी में अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करने के लिए जवाब मांगा गया है। सालभर पहले राज्यभर के 48 हास्पिटलों के खिलाफ जुर्माना और निलंबन की कार्रवाई की थी।

बदले जा चुके अफसर

आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के संचालन में की जाने वाली निगरानी के लिए बनाई गई स्टेट नोडल एजेंसी के परियोजना संचालक (ऑपरेशन) डॉ. धर्मेन्द्र गहवई को कुछ दिनों पहले हटाया गया है। उनके स्थान पर जिम्मेदारी देवेंद्र प्रधान की दी गई है। प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रधान कुछ समय पहले ही संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं में पदस्थ किए हैं।

होगी कार्रवाई

लापरवाही पाए जाने पर 15 अस्पतालों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषपूर्ण नहीं होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
– **इंद्रजीत बर्मन,** अतिरिक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं

शिक्षक भर्ती विज्ञापन में संशोधन

सेरेब्रल पाल्सी दिव्यांग भी कर सकेंगे आवेदन

- उच्च न्यायालय के आदेश पश्चात लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किया शुद्धि पत्र
- सेरेब्रल पाल्सी के साथ दृष्टिबाधित और श्रवणबाधित श्रेणी के दिव्यांग अभ्यर्थी भी पात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सहायक शिक्षक भर्ती के विज्ञापन में महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है। उच्च न्यायालय के आदेश पश्चात लोक शिक्षण संचालनालय ने यह संशोधन किया है। शुद्धि पत्र जारी कर दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए पात्रता संबंधी प्रावधानों में बदलाव किया गया है। इसके तहत दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित तथा सेरेब्रल पाल्सी श्रेणी के दिव्यांग अभ्यर्थियों को भी ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। गौरतलब है कि सहायक शिक्षकों के 2,292 पदों के लिए 24 जुलाई को छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। आवेदन की अंतिम तिथि 21 अगस्त थी।

इसके पूर्व समाज कल्याण विभाग द्वारा 25 फरवरी 2026 को जारी अधिसूचना में विभिन्न विभागों के पदों के लिए दिव्यांगता की चिह्नांकित श्रेणियों का उल्लेख किया गया था। उक्त अधिसूचना के अनुसार सहायक शिक्षक पद के लिए पूर्ण दृष्टिबाधित (बी) सहित कुछ अन्य श्रेणी का चिह्नांकन नहीं किया गया था। इसी आधार पर शिक्षक भर्ती में पूर्ण दृष्टिबाधित श्रेणी को शामिल नहीं किया गया। इसके बाद समाज कल्याण विभाग द्वारा 11 सितंबर 2026 को संशोधित अधिसूचना जारी की गई, जिसमें सहायक शिक्षक पद के लिए पूर्ण दृष्टिबाधित (बी) श्रेणी व अन्य को भी शामिल किया गया। 11 सितंबर के पूर्व ही सहायक शिक्षक पदों के लिए आवेदन पूर्ण हो चुके थे। ऐसे में इन श्रेणी के दिव्यांगों को आवेदन का मौका नहीं मिल सका।

हरिभूमि फॉलोअप

पुनः प्रारंभ होंगे आवेदन

लोक शिक्षण संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि ब्लाइंड, डेफ एवं सेरेब्रल पाल्सी श्रेणी के दिव्यांग अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर दिया जाएगा। इन अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि की जानकारी छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल द्वारा पृथक से जारी की जाएगी। संचालनालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि 24 जुलाई 2026 को जारी सहायक शिक्षक भर्ती के विस्तृत विज्ञापन की शेष सभी शर्तें एवं कंडिकाएं पूर्ववत रहेंगी।

2292 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया

जारी संशोधित विवरण के अनुसार सहायक शिक्षक ई-संवर्ग में 795 तथा टी-संवर्ग में 1497 पद शामिल हैं। ई-संवर्ग में रायपुर, दुर्ग, महासमुंद, बलौदाबाजार-भाटापारा, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा, मुंगेली, रायगढ़ एवं बिलासपुर जिले शामिल हैं। इसी प्रकार टी-संवर्ग में बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव, कांकेर, नारायणपुर, सुकमा, सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, कोरिया, जशपुर, कोरबा, रायगढ़, गरियाबंद एवं बालोद जिले शामिल हैं।

कांग्रेस के तत्कालीन कोषाध्यक्ष रामगोपाल की 9 करोड़ रुपए की संपत्ति ईडी ने की अटैच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब घोटाला प्रकरण में कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल के 9.06 करोड़ रुपए की दो अचल संपत्तियों को अटैचमेंट करने की कार्रवाई की है। उनके खिलाफ ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत 9 अक्टूबर 2026 को विशेष न्यायालय पीएमएलए कोर्ट के समक्ष एक पूरक अभियोजन शिकायत दर्ज की है। ईडी ने 8 अक्टूबर 2026 को एक अनंतिम कुर्की ⏭शेष पेज 13 पर

- शराब घोटाला प्रकरण में दो अचल संपत्ति अटैचमेंट की कार्रवाई

चार साल में तीन हजार करोड़ का घोटाला

केंद्रीय एजेंसी की जांच में जो बातें सामने आई है, उसमें साल 2019 से 2023 के दौरान एक शराब सिंडिकेट आबकारी विभाग और छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) को नियंत्रित कर रहा था। इस सिंडिकेट ने देशी शराब की आपूर्ति ⏭शेष पेज 13 पर

सूजी में कीड़ा, रखिया बड़ी में फफूंद, दुकान में मिली गड़बड़ी, मार्ट से लिए गए सैंपल

जांच के लिए मैदा, साबूदाना, बेसन, आटा के उठाए गए सैंपल

हरिभूमि न्यूज⏭ रायपुर

सिविल लाइन की किराना दुकान से खरीदे सूजी में कीड़ा होने की शिकायत के बाद जांच के लिए पहुंची खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम को रखिया बड़ी में फफूंद मिला। बिक्री के लिए रखी गई मूंग बड़ी भी एक्सपायर मिली। वहां बेचे जाने वाले सूजी और बेसन को जब्त कर जांच के लिए सैंपल लिया गया है। इसके अलावा टाटीबंध और डूमरतराई के ⏭शेष पेज 13 पर

- नवरात्रि के साथ खाद्य पदार्थों की जांच के लिए सक्रिय हुई टीम



वैधानिक कार्रवाई होगी

प्रतिष्ठानों से लिए गए खाद्य नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।
-विनोद कुमार गुप्ता
अभिहित अधिकारी एफडीए रायपुर

जारी की गई है गाइड लाइन

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक राजेन्द्र कटारा ने त्योहार में लोगों को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने विभिन्न प्रतिष्ठानों की सघन जांच एवं निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। विभागीय अधिकारियों को को हिदायत दी गई है कि खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। व्यापारिक संस्थानों को हिदायत दी गई है कि वे केवल गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री का विक्रय करें तथा कालातीत, फफूंदयुक्त अथवा मानव स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित खाद्य पदार्थों का भंडारण एवं विक्रय न करें।

बैंक में चेक बाउंस होने के बाद ठगे जाने का खुलासा

पौने दो करोड़ का चेक थमाकर फरार, मोबाइल किया बंद

सोने का बिस्किट और सात लाख देकर दो करोड़ के जेवर लेकर दो महिलाएं चंपत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दो जालसाज महिलाओं ने राजधानी के एक सराफा कारोबारी को झांसे में लेकर 1.88 करोड़ रुपए के सोने तथा हीरे के जेवर ले लिए और फरार हो गईं। आरोपी महिला कारोबारी को झांसे में लेने 250 ग्राम सोने के बिस्किट के साथ सात लाख रुपए कैश देकर 52 लाख रुपए के जेवर ले गई। जेवर ले जाने के दो दिन बाद महिला और जेवर खरीदने पहुंची और कारोबारी को पौने दो करोड़ रुपए का चेक



देकर जेवर लेकर चंपत हो गई। कारोबारी को ठगी की जानकारी बैंक में चेक जमा करने के बाद मिली। सदर बाजार स्थित विधि ज्वेलर्स एंड बुलियन के संचालक रिखब बरड़िया की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने किरण साहू तथा योगिता के खिलाफ ठगी की अपराध दर्ज किया है। कारोबारी ने पुलिस को बताया कि 24 अगस्त को किरण अपनी महिला साथी के साथ उनकी दुकान में आई और अपना परिचय नगर निगम में आवास अधिकारी के रूप में देते हुए 52 लाख रुपए के सोने के जेवर खरीदी किए। इसके बदले में महिला ने सोने के बिस्किट के साथ सात लाख कैश दिए। दो दिन बाद महिला पुनः अपनी साथी महिला के साथ कारोबारी की दुकान पहुंची और पौने दो करोड़ रुपए के सोने तथा डायमंड के जेवर खरीदी किए। इसके बदले महिला ने पौने दो करोड़ के साथ पुराना बकाया 15 लाख रुपए का चेक दिया।

बिस्किट देने के बाद चेक वापस ले जाने का झांसा

चेक देने के बाद महिला ने कारोबारी से कहा कि वह दो दिन बाद पुनः वापस आएगी और उन्हें चेक की कीमत का सोने का बिस्किट देगी। महिला के नहीं पहुंचने पर कारोबारी ने 15 लाख रुपए का चेक क्लीयरेंस के लिए बैंक में जमा किया। गलत हस्ताक्षर होने की वजह से चेक बाउंस हो गया। इसके बाद कारोबारी ने महिला को कॉल कर संपर्क किया। संपर्क करने पर महिला ने एक-दो दिन में वापस आकर पैसे देने का झांसा दिया। पैसे देने के नाम पर लगातार गुमराह करने के बाद महिला ने अपना मोबाइल बंद कर दिया। इसके बाद कारोबारी को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली। तब कारोबारी शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचा।



माँ चंद्रघंटा: साहस, शक्ति और शांति की देवी

नवरात्रि के तीसरे दिन माँ दुर्गा के तृतीय स्वरूप माँ चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की जाती है। इनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित है, इसी कारण इन्हें चंद्रघंटा कहा जाता है। माँ का स्वरूप अत्यंत दिव्य, तेजस्वी और शक्तिशाली है। इनके दस हाथों में विभिन्न अस्त्र-शस्त्र सुशोभित हैं तथा इनका वाहन सिंह है। माँ चंद्रघंटा अपने भक्तों को साहस, निर्भयता और आत्मविश्वास प्रदान करती हैं।



पौराणिक महत्व : धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माँ चंद्रघंटा दुष्टों का संहार करके धर्म और सत्य की रक्षा करती हैं। इनके घंटे की ध्वनि को नकारात्मक शक्तियों के विनाश और सकारात्मक ऊर्जा के संचार का प्रतीक माना जाता है। माँ का स्वरूप यह संदेश देता है कि जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना धैर्य, विवेक और साहस के साथ करना चाहिए।

॥ ॐ देवी चन्द्रघण्टा नमः ॥

आध्यात्मिक संदेश

माँ चंद्रघंटा की आराधना से मन में शांति, एकाग्रता और आत्मबल का संचार होता है। उनका स्वरूप सिखाता है कि वास्तविक शक्ति केवल बाहुबल में नहीं, बल्कि आत्मसंयम, करुणा और सही निर्णय लेने की क्षमता में भी होती है। जब मनुष्य अपने भय पर विजय प्राप्त करता है, तब वह जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक दृढ़ता से कर सकता है।

पौराणिक कथा:

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब देवताओं और ऋषि-मुनियों पर असुरों के अत्याचार बढ़ने लगे, तब माँ दुर्गा ने दुष्ट शक्तियों के विनाश के लिए चंद्रघंटा का स्वरूप धारण किया। उनके दिव्य तेज, सिंह की गर्जना और घंटे की प्रचंड ध्वनि से असुरों की शक्तियाँ विचलित हो उठीं। माँ ने युद्धभूमि में अद्भुत पराक्रम दिखाते हुए दुष्टों का सामना किया और देवताओं को भय से मुक्ति दिलाई। उनके मस्तक पर सुशोभित अर्धचंद्र और घंटे के प्रतीक ने उन्हें चंद्रघंटा नाम से प्रसिद्ध किया। यह कथा बुराई पर अच्छाई की विजय और धर्म की स्थापना का संदेश देती है।

धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व:

माँ चंद्रघंटा की आराधना साहस, निर्भयता, आत्मविश्वास और मानसिक शांति का प्रतीक मानी जाती है। धार्मिक विश्वास है कि उनकी कृपा से भक्तों के भय और बाधाएँ दूर होती हैं। उनका स्वरूप सिखाता है कि जीवन में अन्याय और कठिनाइयों का सामना धैर्य, विवेक तथा दृढ़ संकल्प के साथ करना चाहिए। माँ चंद्रघंटा हमें यह भी प्रेरणा देती हैं कि वास्तविक शक्ति केवल शारीरिक बल में नहीं, बल्कि आत्मसंयम, करुणा और सही निर्णय लेने की क्षमता में निहित है।

माँ चंद्रघंटा का मंत्र:

ॐ देवी चन्द्रघण्टायै नमः॥ नवरात्रि के तीसरे दिन माँ की आराधना कर सुख, शांति, समृद्धि और साहस का आशीर्वाद प्राप्त करने की प्रार्थना की जाती है।













ऑक्सीजोन परिसर में अंधेरा, गांधी उद्यान, अनुपम गार्डन और गुरु तेगबहादुर बगीचे की भी बत्ती गुल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जोन-4 ने बंद लाइट शुरू करने इस्टीमेट शासन को भेजा, एक माह बाद भी स्वीकृति नहीं मिली

शहर के प्राइम लोकेशन पर स्थित नगर निगम जोन-4 के ऑक्सीजोन में पिछले एक माह से 40 लाइटें बंद होने से परिसर में अंधेरा छाया हुआ है। इसी तरह रविनगर गार्डन, जीई रोड स्थित गांधी उद्यान, अनुपम उद्यान, सिविल लाइंस क्षेत्र के गुरु तेगबहादुर उद्यान, कटोरा तालाब उद्यान और बघवा तालाब विप्रनगर, सुंदरनगर के आम बगीचे में लाइट बंद होने से लोग परेशान हैं। मजबूरी में आमजन अंधेरे में गार्डन में टहलने को मजबूर हैं, वह भी ऐसे समय में, जब नवरात्रि के बाद दशहरा और दीपावली का त्योहार नजदीक है।

हरिभूमि सरोकार

सबसे बड़ी समस्या शाम के समय महिलाएं, बुजुर्ग और परिवार के सदस्यों के साथ बगीचों में चहलकदमी के लिए आने वालों की है। इन बगीचों में अंधेरा होने से असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

ऑक्सीजोन की 40 लाइटें बंद : नगर निगम जोन-4 के लोककर्म विभाग ने पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड स्थित सिविल लाइंस के गुरु तेगबहादुर उद्यान, गांधी उद्यान, ऑक्सीजोन गार्डन, रविनगर गार्डन, कटोरा तालाब के गोपी चंदनानी गार्डन में इलेक्ट्रिफिकेशन और लाइट मेंटेनेंस कार्य के लिए 9 लाख 35 हजार का प्रस्ताव तैयार कर राज्य शासन को इसकी स्वीकृति के लिए 21 सितंबर को भेजा, पर महीनेभर बीतने के बाद भी इसकी तकनीकी, वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति नहीं मिल पाई है। गार्डन में अकेले 40 से अधिक लाइटें महीनों से बंद पड़ी हैं। वैसी ही बदहाल स्थिति रविनगर गार्डन की भी है।

जोन 8 के 7 पार्षदों ने 4 माह पूर्व दिया था पत्र

नगर निगम जोन-8 अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने हरिभूमि को बताया कि उनके जोन के 7 पार्षदों ने वार्ड के प्रमुख मार्गों, गलियों सहित अन्य स्थानों पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट बदलने, नए पोल में स्ट्रीट लाइट लगवाने पार्षद निधि के 1.50-1.50 लाख स्ट्रीट लाइटें क्रय करने के लिए बकायदा लेटरपेड में लिखकर दिए थे। तब उन्हें आश्वस्त किया गया कि गणेशोत्सव से पूर्व संबंधित वार्डों में नई स्ट्रीट लाइटें लगा दी जाएंगी। 4 माह बीतने के बाद भी पार्षदों द्वारा दी गई पार्षद निधि की रकम से स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था नहीं होने से जोन 8 के पार्षदों में नाराजगी व्याप्त है। वार्ड पार्षद संदीप साहू, दीप-मनीराम साहू, रोनिता प्रकाश जगत, प्रीतम सिंह, अर्जुन यादव, महेंद्र औसर समेत अन्य पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट का हवाला देते हुए त्योहारी सीजन में प्रकाश व्यवस्था सुधारने का आग्रह करते हुए निगम प्रशासन को पत्र लिखा था।



रखरखाव के लिए ईओआई जारी

शहर के प्रमुख बड़े उद्यानों की देखरेख और मेंटेनेंस की व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसके लिए हमने ईओआई जारी किया है, ताकि बड़े उद्योग समूह, स्वयंसेवी संस्थाएं इन बगीचों को गोद ले सकें। बगीचों की सफाई सहित अन्य कार्य निगम के माध्यम से किए जा रहे हैं। जिन पार्षदों ने लेटरपेड पर स्ट्रीट लाइट के लिए पार्षद निधि से राशि देने पत्र लिखा था, शासन स्तर पर प्रत्येक जोन को 5-5 लाख की स्वीकृति दी गई है। नगर निगम जोन स्तर पर लाइट खरीदी के लिए जल्द टेंडर किया जाएगा।

*- **संबित मिश्रा,** आयुक्त, ननि रायपुर*

खबर संक्षेप

तीन दिनों के भीतर आरोपी को करें गिरफ्तार

रायपुर। सूरजपुर जिले के थाना विश्रामपुर के अंतर्गत नगर पंचायत सतपता में हुए दोहरे हत्याकांड की छत्तीसगढ़ धोबी समाज ने कड़े शब्दों में निंदा की है। इस मौके पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने क्षेत्रीय विधायक, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक भुलन सिंह मरावी, जिला पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल से त्वरित कार्यवाही की मांग कर हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है। प्रवक्ता गंगा निर्मलकर ने बताया, सभी नेताओं और अधिकारियों ने संपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हुए अतिशीघ्र हत्यारों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। धोबी समाज ने पुलिस प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर 3 दिनों के भीतर आरोपी गिरफ्तार नहीं हुए तो समाज उग्र आंदोलन कर सकते हैं। उन्होंने घटना की जांच के लिए समाज की ओर से संभागीय अध्यक्ष राकेश रजक, सूरजपुर जिला अध्यक्ष धर्मपाल रजक सहित सभी जिला अध्यक्ष, परीक्षेत्रीय अध्यक्ष की संयुक्त जांच समिति गठित कर दी है।

आसन बने गवर्नमेंट ड्राइवर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

रायपुर। ऑल इंडिया गवर्नमेंट ड्राइवर्स फेडरेशन (एआईजीडीएफ) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय-अर्द्ध शासकीय वाहन चालक एवं यांत्रिकी कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष आसन सिंह शांडिल्य को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। यह चयन न केवल श्री शांडिल्य का व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि छत्तीसगढ़ के 15 हजार और पूरे भारत के 15 लाख शासकीय वाहन चालक परिवारों का सम्मान है। उनके चयन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार, मुख्य संरक्षक नरेंद्र सिंह आदि ने आभार प्रकट किया।



निधन

रिखीराम साहू

रायपुर। सहदेव साहू बाड़ा तेलीबांधा निवासी रिखीराम साहू का 11 अक्टूबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 12 अक्टूबर को तेलीबांधा मुक्तिधाम में किया गया। उनके निधन पर समाजजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।



अनिल साठे

रायपुर। रमन मंदिर फाफाडीह निवासी अनिल साठे (60) का 12 अक्टूबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 13 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे उनके निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे संदीप मोहरिल एवं समीर मोहरिल के जीजा और अंजली साठे के पति एवं प्रतीक साठे के पिता थे।



31 अक्टूबर तक है बसों के संचालन का वैकल्पिक समझौता, कर्मचारियों की बढ़ेगी परेशानी

नवंबर से कंडम बसों पर ब्रेक, नवा रायपुर आवाजाही के लिए अफसर-कर्मियों को खुद करना होगा इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालयों में कार्यरत हजारों सरकारी कर्मचारियों के लिए नवंबर की शुरुआत से रोजाना कार्यालय पहुंचना महंगा और चुनौतीपूर्ण हो सकता है। रायपुर से नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) और इंद्रावती भवन तक कर्मचारियों को लाने-ले जाने वाली सिटी बस सेवा का संचालन 31 अक्टूबर के बाद बंद होने जा रहा है। रायपुर नगर निगम ट्रांसपोर्ट लिमिटेड और नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के बीच बस संचालन को लेकर किया गया वैकल्पिक समझौता इसी तारीख को समाप्त हो रहा है। कर्मचारियों को 1 नवंबर से अपने स्तर पर आने-जाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

रोजाना 3500 कर्मचारी करते हैं बसों से सफर : वर्तमान व्यवस्था के तहत रायपुर से नवा रायपुर तक संचालित बसों के माध्यम से करीब 3500 कर्मचारी प्रतिदिन कार्यालय पहुंचते हैं। इनमें मंत्रालय, महानदी भवन, इंद्रावती भवन और अन्य शासकीय कार्यालयों में पदस्थ कर्मचारी शामिल हैं। शहर के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले कर्मचारियों के लिए ये बसें नियमित आवागमन का महत्वपूर्ण साधन रही हैं। बस सेवा बंद होने से कर्मचारियों को दोपहिया वाहन, कार, साझा वाहन या अन्य सार्वजनिक परिवहन के साधनों का सहारा लेना पड़ सकता है। इससे न केवल उनके मासिक परिवहन खर्च में वृद्धि की आशंका है, बल्कि कार्यालय पहुंचने के समय और दैनिक दिनचर्या पर भी असर पड़ सकता है।

मंत्रालय कर्मियों की चलती बस बनी आग का गोला, कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर के महानदी भवन के समीप बुधवार शाम एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब सचिवालय के कर्मचारियों को ले जा रही एक चलती हुई बस में अचानक भीषण आग लग गई। बस में 30 यात्री सवार थे, जिन्होंने कूदकर अपनी जान बचाई। कार्यालयीन समय के बाद सचिवालय के कर्मचारी अपने घर लौटने बस में सवार होकर निकले

- बस में 30 से ज्यादा लोग सवार थे



98 बसों का टेंडर, 83 का संचालन

जानकारी के अनुसार, निगम ने 98 बसों के संचालन के लिए टेंडर किया था, लेकिन वर्तमान में लगभग 83 बसें चल रही हैं। इनमें से 66 बसें नवा रायपुर के लिए संचालित होती हैं। पुरानी बसों की स्थिति और अनुबंध की समाप्ति ने इस परिवहन व्यवस्था के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सितंबर में मंत्रालय की एक बस में आग लगने की घटना के बाद कर्मचारियों ने बसों की खराब स्थिति और नियमित रखरखाव की समस्याओं को लेकर नाराजगी जताई थी।

2012 में खरीदी गई थीं बसें

बताया गया कि रायपुर नगर निगम ट्रांसपोर्ट लिमिटेड ने वर्ष 2012 में शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के लिए लगभग 100 बसें खरीदी थीं। इनके संचालन के लिए दस वर्ष का अनुबंध किया गया था, जिसकी अवधि वर्ष 2022 में समाप्त हो गई थी। इसके बाद मंत्रालय और अन्य सरकारी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों की आवाजाही जारी रखने के लिए नवा रायपुर अटलनगर विकास प्राधिकरण के साथ वैकल्पिक समझौते के तहत बसों का संचालन जारी रखा गया। अब यह वैकल्पिक समझौता भी 31 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। नगर निगम की ओर से बसों की खराब स्थिति और अनुबंध की अवधि समाप्त होने को संचालन बंद करने की प्रमुख वजह बताया गया है। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के हवाले से कहा गया है कि बसें कंडम स्थिति में पहुंच चुकी हैं और संचालन बंद करने के लिए एनआरडीए को पत्र भेजा गया है।

हर साल करीब 12.88 करोड़ खर्च

प्रकाशित जानकारी के अनुसार, ठेका कंपनी को प्रति कर्मचारी परिवहन सुविधा के लिए 3066 रुपए प्रतिमाह दिए जाते हैं। इस हिसाब से करीब 3500 कर्मचारियों के हिसाब से मासिक भुगतान लगभग 1.07 करोड़ रुपए और सालाना भुगतान करीब 12.88 करोड़ रुपए बैठता है। इतना खर्च के बावजूद बसों की स्थिति खराब होने की खबरें सामने आई हैं। ऐसे में बसों के रखरखाव, संचालन की गुणवत्ता और कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जा रही परिवहन सुविधा की समीक्षा की जरूरत है।

107 में से 100 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण उपस्थित को भी दर्शा दिया अनुपस्थित



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बीते दिनों कृषि विवि द्वारा घोषित किए गए परीक्षा परिणाम को लेकर छात्रों का विरोध तेज हो गया है। पुनर्मूल्यांकन सहित उत्तरपुस्तिकाएं देखे जाने की मांग लेकर छात्रों ने सोमवार को विवि का घेराव किया। छात्रों का कहना है कि पुनर्मूल्यांकन के लिए पात्र विषयों की संख्या 2 से बढ़ाकर 4 की जाए। इसके अलावा विद्यार्थियों को अभिभावकों के साथ उत्तरपुस्तिकाएं देखने की सुविधा देने की भी मांग छात्रों ने रखी। इनमें से कुछ मांगों को विवि प्रशासन द्वारा तत्काल स्वीकार कर लिया गया, जिसके पश्चात छात्रों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया।

एबीवीपी के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ। परीक्षा परिणामों में अनेक विद्यार्थियों को परीक्षा में उपस्थित रहने के बावजूद अनुपस्थित दर्शाए जाने तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को एक साथ छह से आठ विषयों में अनुत्तीर्ण अथवा एटीकेटी घोषित किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। इसके साथ ही मूल्यांकन प्रक्रिया में लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदार परीक्षकों एवं संबंधित मूल्यांकन केंद्रों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने, पुनर्मूल्यांकन के लिए निर्ध

इस दौरान अभाविप के प्रदेश सह मंत्री प्रथम राव फुटाने, विवि इकाई अध्यक्ष शिवम योगी, भाग मंत्री प्रेम साहू, राहुल शर्मा, सिद्धार्थ सिंह एवं मानसी यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ारित विषयों की सीमा बढ़ाने की मांग भी की गई।

उत्तरपुस्तिकाएं निशुल्क जांचने मांग

छात्रों ने कहा, इस पूरे मामले में कांकेर कृषि महाविद्यालय का परिणाम विशेष रूप से चिंताजनक है, जहां 107 विद्यार्थियों में से 100 विद्यार्थियों को अनुत्तीर्ण घोषित किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्रदर्शन के दौरान अभाविप ने कहा, प्रभावित विद्यार्थियों के परिणामों की जांच कराई जाए, ताकि मूल्यांकन में संभावित त्रुटियों के कारण किसी भी विद्यार्थी का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित न हो। परीक्षा में उपस्थित रहने के बावजूद अनुपस्थित दर्शाए गए विद्यार्थियों के अभिलेखों की तत्काल जांच कर परिणामों में सुधार करने की मांग की गई।

मुख्यमंत्री ने गौरक्षा वाहिनी एंबुलेंस का किया लोकार्पण



रायपुर। अग्रसेवा सोसायटी द्वारा गोसेवा एवं गो-संरक्षण के उद्देश्य से प्रारंभ की गई एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत गौरक्षा वाहिनी एंबुलेंस का लोकार्पण मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अग्रसेन धाम छोकरानाला में किया। इस एंबुलेंस को गिरिराज सिंघानिया द्वारा गोसेवा के पुनीत कार्य के लिए प्रदान किया गया है। अग्रसेवा सोसायटी का मुख्य उद्देश्य निराश्रित, बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त गो-माताओं को समय पर सहायता, सुरक्षित परिवहन एवं उपचार में सहयोग करना है। इस मौके पर सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गोमाता की सेवा एवं संरक्षण हम सभी का साझा दायित्व है। समाज के लोगों, गो-सेवकों और सहयोगकर्ताओं की सहभागिता से ऐसे सेवा कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इस अवसर पर अग्रसेवा सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य, अग्रसेवा गौशाला संचालन समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं समिति के पदाधिकारी, सदस्य, समाजजन उपस्थित रहे।

11 दिन में 2.4 मिमी. बरसकर छत्तीसगढ़ से विदा हुआ मानसून, मौसम में बदलाव का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सीजन खत्म होने के बाद 11 दिन रुककर दक्षिण-पश्चिम मानसून छत्तीसगढ़ से अधिकृत तौर पर विदा हो गया। पोस्ट मानसून सीजन के दौरान इस अवधि में राज्य में 2.4 मिमी. बारिश हुई, जो औसत से 93 प्रतिशत कम है। मौसम में बदलाव के लिए अभी इंतजार करना होगा, क्योंकि नमी की वजह से दिन में तेज गर्मी महसूस हो रही है और सुबह-सुबह ठंड का अहसास हो रहा है।

- अभी गर्मी का असर बरकरार, दिन में तेज धूप और सुबह-सवेरे ठंड

मानसून काफी समय पहले रायपुर छोड़ चुका था, मगर सप्ताहभर ठहराव के बाद सोमवार को इसके राज्य से वापस लौटने की घोषणा मौसम विभाग ने कर दी। बारिश का सीजन समाप्त होने के बाद बादलों की गतिविधि राज्य में ज्यादा नहीं रही। बनने वाले सिस्टम की वजह से एक-दो दिन तक कुछेक इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 1 से 11 अक्टूबर के बीच राज्य में औसत रूप से 34.6 मिमी. बारिश होती है, जो वास्तविक रूप में 2.4 मिमी. ही बरसी। पोस्ट मानसून के दौरान ज्यादा बारिश का प्रभाव बलरामपुर में 15.9 मिमी., मुंगेली में 13.2 रहा और रायपुर में यह आंकड़ा 4.1 मिमी. पर सिमटा रह गया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अभी राज्य के मौसम में बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। दिन में 33 डिग्री सेल्सियस के बीच तेज धूप महसूस हो रही है, सुबह-सुबह ठंड का अनुभव हो रहा है। मौसम में बदलाव के लिए राज्य में वातावरण में नमी की मात्रा कम होने और हवा की दिशा उत्तर-पूर्व होने का इंतजार करना होगा।



पेज 11 के शेष ...

स्मृति-हरमनप्रीत के साथ टीम...

कप्तान स्मृति मंधाना और पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बल्लेबाजी का अभ्यास करते हुए मैदान पर चौके-छक्के लगाए। अभ्यास के दौरान ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा गेंदबाजी करती नजर आईं, वहीं निकी प्रसाद, अनुष्का शर्मा, जी. कमालिनी, प्रेमा रावत और श्री चरणी ने भी मैदान पर पसीना बहाया।

कांग्रेस के तत्कालीन कोषाध्यक्ष ...

आदेश जारी किया है, जिसके तहत रायपुर में 9.06 करोड़ रुपए मूल्य की दो अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है। उन्हें इस मामले में ईडी द्वारा 11 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में रामगोपाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईओडब्ल्यू, एसीबी द्वारा अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, अरुणपति त्रिपाठी, कवासी लखमा और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। ***घोटाले से अर्जित आय राजीव भवन पहुंचाई जाती थी :*** ईडी की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि सिंडिकेट द्वारा उत्पन्न नकदी का एक बड़ा हिस्सा लक्ष्मीनारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल द्वारा संभाला जाता था और रामगोपाल अग्रवाल के निर्देश पर रायपुर के शंकर नगर स्थित छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय 'राजीव भवन' पहुंचाया जाता था। यह नकदी सिंडिकेट से जुड़े लोगों द्वारा लाई जाती थी और राजीव भवन में रामगोपाल अग्रवाल के अधीन काम करने वाले अकाउंटेंट देवेंद्र डडसेना को सौंपी जाती थी। जांच में पता चला है कि इस माध्यम से शराब घोटाले से जुड़ी लगभग 860 से 880 करोड़ रुपए की नकदी पहुंचाई गई थी, जिसमें से लगभग 72 करोड़ रुपए रामगोपाल अग्रवाल के नियंत्रण में रहे।

चार साल में तीन हजार...

पर अवैध कमीशन (पार्ट ए), डुप्लीकेट होलोग्राम के साथ सरकारी दुकानों के माध्यम से बेहिसाब शराब की बिक्री (पार्ट बी), डिस्टलर्स से वार्षिक कमीशन (पार्ट सी) और विदेशी शराब के लिए एफएल- 10 ए लाइसेंस व्यवस्था के जरिए 2 हजार 883 करोड़ रुपए से अधिक की अपराध की कमाई अर्जित की थी।

सूजी में कीड़ा, रखिया बड़ी में...

दो बड़े 'मार्ट' की जांच के बाद सूजी और साबुदाना के सैंपल लिए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम खाद्य पदार्थों की जांच के लिए सक्रिय हो गई है। इसके तहत बड़े मॉल्स और प्रोविजन स्टोर्स में जांच के साथ मिलने वाली शिकायतों के आधार पर छापेमारी कर जांच की जा रही है। एफडीए के पास शिकायत आई थी कि सिविल लाइंस जैसे पॉश इलाके में किराना सामान की सप्लाई करने वाले प्रोविजन स्टोर्स से खरीदी गई सूजी में कीड़ा मिला है। शिकायत के आधार पर सोमवार को एफडीए के अभिहित अधिकारी विनोद गुप्ता, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी कंचन वर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी संतोष ध्रुव की टीम मोतीबाग चौक स्थित घनश्याम प्रोविजन स्टोर्स पहुंची। वहां से सूजी एवं मैदा के विधिक नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान फफूंद लगी एवं कालातीत 7 किलोग्राम राखिया बड़ी तथा 3 किलो मूंग बड़ी पाई गई जिसे जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के दृष्टिगत नष्ट कराया गया। वहां से 18 किलो मैदा, 27.5 किलो सूजी 18 सूजी जब्त कर जांच के लिए सैंपल लिया गया। इसके अलावा जांच टीम ने डूमरतराई के जीके बिजनेस सेंटर स्थित मार्ट से बेसन एवं आटा के विधिक नमूने जांच के लिए उठाए गए। टाटीबंध के विशाल मेगा मार्ट से फर्स्ट क्रॉप ब्रांड की सूजी एवं साबूदाना के विधिक सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया।

एक्सपायरी डेट जांचें

एफडीए के अधिकारियों ने आम लोगों को खरीदी के दौरान जागरुकता बरतने की अपील की है। किसी सामान की खरीदी के पहले पैकेट पर अंकित निर्माण तिथि, एक्सपायरी डेट, पैकेजिंग की स्थिति एवं अन्य आवश्यक विवरण की जांच अवश्य करें। किसी भी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता अथवा सुरक्षा के संबंध में संदेह होने पर संबंधित खाद्य सुरक्षा अधिकारी या खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को सूचित करें।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार आशका फैजान, पति फैजान शबीर, निवासी ए-40, भाटागांव चौक के पास, राधास्वामी नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा विक्रेता भुवन लाल एवं शंकर लाल दोनों पिता श्री भरोसी सोनकर के द्वारा नियुक्त आममुख्त्यार क्रमशः अमित सोनकर, पिता बी.एल. सोनकर, रमेश सोनकर, पिता श्री शंकर सोनकर एवं मनीष कुमार हरित पिता राधेश्याम हरित तीनो निवासी फिंगेश्वर, जिला गरियाबंद छ.ग. के स्वामित्व व आधिपत्य की आवासीय भूमि वाके मौजा ग्राम चिरहुलडीह, पटवारी हल्का नम्बर 52, रा.नि.मं. रायपुर - 3 कोटा तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित परिवर्तित खसरा नम्बर 845/1, रकबा 0.0970 हेक्टेयर याने 10440.99 वर्गफुट भूमि को खरीदने का पक्का सौदा कर लिया गया है। क्रेता के द्वारा उक्त वर्णित भूमि का पक्का सौदा कर बयाना राशि विक्रेता को प्रदान कर दिया गया है, तथा केवल विक्रय कार्यवाही शेष है।

अतः इस आम सूचना के जरिये सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति, संस्था, समूह, फर्म, कम्पनी, ट्रस्ट को उक्त सौदे पर या सौदा-शुदा सम्पत्ति पर कोई हक, दावा, उजर या आपत्ति है, तो वह हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज आम सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत करे। मौखिक एवं बगैर दस्तावेज तथा म्याद बाद की गयी आपत्ति स्वमेव शून्य व नाजायज माना जावेगा। यदि विक्रेता के द्वारा उक्त वर्णित भूमि जिसका आम सूचना प्रकाशित किया जा रहा है, को कहीं अन्यत्र विक्रय करता है, तो वह शून्य एवं अवैध माना जावेगा।

सो सूचना जाने....

रायपुर छ.ग.
दिनांक : 12.10.2026

भवदीय
संजय शर्मा (अधिवक्ता)
एकता नगर, गुढ़ियारी, रायपुर छ.ग.
मो. 9827154202

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-18- कांदुल , तहसील रायपुर जिला रायपुर

आम सूचना

दिनांक - 08/10/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका GYANENDRA SINGH पिता-SAHDEV SINGH पता-मकान नंबर 4/14, नेहरू नगर ईस्ट भिलाई दुर्ग द्वारा आवेदित ग्राम बोरियाकला प.ह.नं. 00081 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-18-कांदुल स्थित भूमि खसरा नंबर 139/6 (0.1020) हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के ज्ञा०/ रा० प्र० क्र० 202610110200053 Raipur के आदेश दिनांक 08/10/2026 के परिपालन में दिनांक 26/10/2026 को 2 PM बजे पश्चात किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त दिनांक 26/10/2026 को पूर्वान्ह/अपरान्ह 2 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00081 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-18-कांदुल के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
pavan prakash Baghel
रायपुर-18, कांदुल

नर्सिंग रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट गुमा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरा हिमाचल प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल द्वारा जारी नर्सिंग रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट टाटीबंध एम्स के सामने रोड पर खो गया है। जिसका रिपोर्ट सूचना आमानाका थाने में दर्ज कराया गया हैं। अतः जिस किसी सज्जन को मेरा हिमाचल प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल द्वारा जारी नर्सिंग रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट मिले तो कृपया करके निम्न पते पर पहुंचाने की या मोबाइल नंबर पर कॉल करने की कष्ट करे।

सुनीता देवी
पता-आर्य पुलिस अपार्टमेंट,टाटीबंध, रायपुर, छत्तीसगढ़
मोबाइल नंबर 9459511061

साइकिल पोलो स्पर्धा में छग की बेटियों ने मारी बाजी



रायपुर। श्रीनगर के जम्मू-कश्मीर की धरती पर आयोजित 16वीं महिला एवं 20वीं पुरुष फेडरेशन कप साइकिल पोलो प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार 11वीं बार विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ की बेटियों ने केरल को 11-5 गोल से पराजित कर स्वर्णिम सफलता हासिल की। वहीं, पुरुष वर्ग में छत्तीसगढ़ की टीम चौथे स्थान पर रही। साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया की एडहॉक कमेटी के चेयरमैन एवं पूर्व संयुक्त सचिव विनायक राव चन्नावार तथा भिलाई इस्पात संयंत्र ऑफिसर्स एसोसिएशन के पूर्व महासचिव परविंदर सिंह ग्रेवाल ने इस प्रतियोगिता की जानकारी दी।



खबर संक्षेप



क्वांर नवरात्रि पर सर्व सिद्ध मंदिर में जसगीत व माता सेवा की धूम

रायपुर। मठपुरैना वाटर फिल्टर प्लांट परिसर पर स्थित सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में नवरात्रि के उपलक्ष्य में 250 से ज्यादा ज्योतिकलशों की स्थापना की गई। इस अवसर पर देर रात तक जसगीत और माता सेवा की प्रस्तुति विभिन्न मंडलियों द्वारा दी जा रही है। मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहनलाल साहू, सोमनाथ निषाद ने बताया कि शनिवार को महिला मंडली की बसंती साहू, शीला तिवारी आदि ने जसगीतों से अध्यात्मिक चेतना जागृति किया। उन्होंने माता नवरात्रि में माता दुर्गा की उपसना से मन निर्मल होता है जीवन में सद्भावना का विकास होता है। दीनदयाल साहू ने कहा कि माता की महिमा निराली है। जिस दिन में उनकी कृपा होती है तभी परिवर्तन की शुरुआत होती है। दुर्गासप्तशती सहित अन्य देवी पुराणों ने माता के रहस्य और भक्ति का वर्णन मिला है। कार्यक्रम राजकुमार धीवर, रामचंद्र पटेल, नीलकंठ सारथी, रू धीवर ज्योति कलशों की सेवा में जुटे हैं।



नवरात्र : 57 वर्षों से मां दुर्गा की स्थापना, 20 को दशहरा उत्सव

गांव में 13 स्थानों पर विराजीं मां दुर्गा 16 को रामलीला, 20 को दशहरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग



नया रायपुर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध ग्राम पलौद में इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि का पर्व अत्यंत उत्साह, उल्लास और पारंपरिक धार्मिक आस्था के साथ मनाया जा रहा है। गांव के मुख्य केंद्र बाजार चौक रंगमंच पर हर वर्ष की भांति इस बार भी आदिशक्ति माता रानी के नौ स्वरूपों की भव्य स्थापना की गई है। पलौद की यह गौरवशाली परंपरा पिछले 57 वर्षों से निरंतर चली आ रही है, जो गांव की एकजुटता और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रमाण है। बीते वर्षों की परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी पूरे पलौद गांव में कुल 13 विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना की गई है।

गांव का हर मोहल्ला और चौक माता के जयकारों से गूंज रहा है। सुबह-शाम होने वाली महाआरती में बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। माता के दरबार में दीप प्रज्ज्वलित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की जा रही है। इस पावन पर्व को और अधिक आध्यात्मिक व सांस्कृतिक रंग देने के लिए गांव में विशेष तैयारी की गई है। इसी कड़ी में आगामी 16 तारीख से पांच दिवसीय भव्य रामलीला का आयोजन होने जा रहा है। रामलीला के इन पांच दिनों में भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, उनके आदर्शों और बुराई पर अच्छाई की विजय की गाथा का जीवंत मंचन किया जाएगा। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली लीलाओं को देखने के लिए न केवल पलौद, बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में दर्शकों के जुटने की उम्मीद है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रामलीला के समापन के पश्चात 20 तारीख को दशहरा उत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

मां दुर्गा के चित्र वाले पोस्टर हटाने पर आरंग में सियासत गरमाई



हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन पर मां दुर्गा के चित्र वाले फ्लेक्स-बैनरों को कचरा वाहन में डलवाकर फिंकवाने के आरोप के बाद आरंग की राजनीति गरमा गई है। मामले को लेकर कांग्रेस पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने आरंग थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर अध्यक्ष के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, श्री सार्वजनिक नव दुर्गा उत्सव समिति महामाया पारा, आरंग द्वारा 15 अक्टूबर को जगराता कार्यक्रम आयोजित किया जाना है।

कांग्रेस पार्षदों का आरोप है कि नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने इन बैनरों को उतरवाकर नगर पालिका के कचरा ट्रैक्टर में डलवाया और फिंकवा दिया। इस संबंध में कांग्रेस पार्षदों ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं होने पर नगर में आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि इस तरह की राजनीतिक बयानबाजी पूरी तरह अनुचित है। डॉ. जैन ने कहा कि नवरात्रि का पवित्र पर्व आरंग सहित पूरे देश में हर्षोल्लास और गहरी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि आगामी 15 अक्टूबर को कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के सहयोग से महामाया पारा दुर्गोत्सव समिति द्वारा विधायक एवं पद्मश्री अनुज शर्मा के विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी चर्चा हर तरफ है। डॉ. जैन ने कहा कि सार्वजनिक आयोजनों पर व्यक्तिगत टिप्पणी करना और राजनीतिक द्वेष के चलते पोस्टर निकलवाने का झूठा आरोप लगाना पूरी तरह निराधार है। ज्ञापन सौंपने के दौरान नेता प्रतिपक्ष शरद जीतू गुप्ता, पार्षद खिलावन निषाद, समीर गौरी, ईश्वर पटेल, सजल चंद्राकर, पार्षद प्रतिनिधि सूरज सोनकर, भरत लोधी, कुलदीप लोधी, सागर जोशी, आलोक शर्मा, डालू जलक्षत्रि, सुनील बघेल, मनीष कंडरा, भोला यादव, देवेंद्र घृतलहरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खोरपा में सुपर ओवर क्रिकेट टूर्नामेंट, सिहाद 11 ने जीता खिताब

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर



ग्राम खोरपा में एचबीके लीजेंड्स के तत्वावधान दो दिवसीय में सुपर ओवर क्रिकेट टूर्नामेंट का संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में ग्रामीण स्तर की 16 टीमों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला सिहाद 11 और संकरी 11 के बीच खेला गया।

रोमांचक मुकाबले में सिहाद 11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संकरी 11 को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में गोविंद देवांगन एवं दुष्यंत कुमार पटेल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। टूर्नामेंट की अध्यक्षता अश्वनी ध्रुवंशी ने की।

आयोजन को सफल बनाने में लखन साहू, राजा साहू, भोला धीवर, रंजीत साहू, मनीष साहू, राकेश साहू, गोविंदा साहू एवं जितेश साहू का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

समोदा स्कूल में शाला प्रवेश हुई पूजा एवं कन्या भोज



हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, समोदा के नवनिर्मित विद्यालय भवन में सोमवार को शाला प्रवेश पूजा का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर विधि-विधानपूर्वक हवन एवं पूजा-अर्चना कर नवनिर्मित विद्यालय भवन में सुख, समृद्धि, शांति एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही, नवरात्रि के पावन अवसर पर नौ कन्याओं के लिए कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस धार्मिक एवं शुभ अवसर पर सभी ने माँ दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त कर विद्यालय की निरंतर प्रगति एवं सफलता की मंगलकामना की। इस कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष घनश्याम साहू, उपाध्यक्ष राजू साहू, प्राचार्य शैलेंद्र कुमार पटले, संरक्षक पुराणिक ध्रुवंशी, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य शिव कुमार साहू, नारायण कुर्रे, धन्नालाल साहू एवं टुकेश्वर साहू तथा संकुल समन्वयक लाकेश्वर ध्रुव उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से वरिष्ठ व्याख्याता आज्ञा राम ठाकुर, टीपू लाल वर्मा, मितांजलि मोहंती, चेतन सिंह साहू एवं रेखराम डडसेना सहित समस्त शिक्षकगण, पालकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

दिव्यांग बच्चे को भेंट की व्हीलचेयर



आरंग। माँ दुर्गा की स्थापना के पावन अवसर पर सेवा और मानवता की भावना को साकार करते हुए श्री सार्वजनिक नवदुर्गोत्सव समिति सांगचौरा एवं श्री विघ्नहर्ता परिवार आरंग द्वारा एक दिव्यांग बच्चे को व्हीलचेयर भेंट की गई। इस पहल का उद्देश्य बच्चे को आवागमन में सुविधा प्रदान करना और उसके जीवन को अधिक सहज बनाने में सहयोग करना रहा। इस सेवा कार्य में समिति के सदस्य आलोक शुक्ला का विशेष सहयोग रहा। दोनों समितियों की इस पहल ने धार्मिक उत्सव के साथ सामाजिक सरोकारों और जरूरतमंदों की सहायता का संदेश दिया। माँ दुर्गा की आराधना के साथ मानव सेवा और सहयोग की भावना से किए गए इस कार्य की पहल समाज में संवेदनशीलता एवं परोपकार का संदेश देती है।

पेज 11 के शेष...

स्मृति-हरमनप्रीत के ...

कप्तान स्मृति मंधाना और पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बल्लेबाजी का अभ्यास करते हुए मैदान पर चौके-छक्के लगाए। अभ्यास के दौरान ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा गेंदबाजी करती नजर आईं, वहीं निकी प्रसाद, अनुष्का शर्मा, जी. कमालिनी, प्रेमा रावत और श्री चरणी ने भी मैदान पर पसीना बहाया।

कांग्रेस के तत्कालीन ...

आदेश जारी किया है, जिसके तहत रायपुर में 9.06 करोड़ रुपए मूल्य की दो अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है। उन्हें इस मामले में ईडी द्वारा 11 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में रामगोपाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईओडब्ल्यू, एसीबी द्वारा अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, अरुणपति त्रिपाठी, कवासी लखमा और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। **घोटाले से अर्जित आय राजीव भवन पहुंचाई जाती थी** : ईडी की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि सिंडिकेट द्वारा उत्पन्न नकदी का एक बड़ा हिस्सा लक्ष्मीनारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल द्वारा संभाला जाता था और रामगोपाल अग्रवाल के निर्देश पर रायपुर के शंकर नगर स्थित छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय 'राजीव भवन' पहुंचाया जाता था। यह नकदी सिंडिकेट से जुड़े लोगों द्वारा लाई जाती थी और राजीव भवन में रामगोपाल अग्रवाल के अधीन काम करने वाले अकाउंटेंट देवेंद्र डडसेना को सौंपी जाती थी। जांच में पता चला है कि इस माध्यम से शराब घोटाले से जुड़ी लगभग 860 से 880 करोड़ रुपए की नकदी पहुंचाई गई थी, जिसमें से लगभग 72 करोड़ रुपए रामगोपाल अग्रवाल के नियंत्रण में रहे।

चार साल में तीन ...

पर अवैध कमीशन (पार्ट ए), डुप्लीकेट होलोग्राम के साथ सरकारी दुकानों के माध्यम से बेहिसाब शराब की बिक्री (पार्ट बी), डिस्टलर्स से वार्षिक कमीशन (पार्ट सी) और विदेशी शराब के लिए एफएल- 10 ए लाइसेंस व्यवस्था के जरिए 2 हजार 883 करोड़ रुपए से अधिक की अपराध की कमाई अर्जित की थी।

सूजी में कीड़ा...

दो बड़े 'मार्ट' की जांच के बाद सूजी और साबुदाना के सैंपल लिए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम खाद्य पदार्थों की जांच के लिए सक्रिय हो गई है। इसके तहत बड़े मॉल्स और प्रोविजन स्टोर्स में जांच के साथ मिलने वाली शिकायतों के आधार पर छापेमारी कर जांच की जा रही है। एफडीए के पास शिकायत आई थी कि सिविल लाइंस जैसे पॉश इलाके में किराना सामान की सप्लाई करने वाले प्रोविजन स्टोर्स से खरीदी गई सूजी में कीड़ा मिला है। शिकायत के आधार पर सोमवार को एफडीए के अभिहित अधिकारी विनोद गुप्ता, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी कंचन वर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी संतोष ध्रुव की टीम मोतीबाग चौक स्थित घनश्याम प्रोविजन स्टोर्स पहुंची। वहां से सूजी एवं मैदा के विधिक नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान फफूंद लगी एवं कालातीत 7 किलोग्राम राखिया बड़ी तथा 3 किलो मूंग बड़ी पाई गई जिसे जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के दृष्टिगत नष्ट कराया गया। वहां से 18 किलो मैदा, 27.5 किलो सूजी 18 सूजी जब्त कर जांच के लिए सैंपल लिया गया। इसके अलावा जांच टीम ने दूमरतराई के जीके बिजनेस सेंटर स्थित मार्ट से बेसन एवं आटा के विधिक नमूने जांच के लिए उठाए गए। टाटीबंध के विशाल मेगा मार्ट से फर्स्ट क्रॉप ब्रांड की सूजी एवं साबूदाना के विधिक सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया। **एक्सपायरी डेट जांचें** : एफडीए के अधिकारियों ने आम लोगों को खरीदी के दौरान जागरुकता बरतने की अपील की है। किसी सामान की खरीदी के पहले पैकेट पर अंकित निर्माण तिथि, एक्सपायरी डेट, पैकेजिंग की स्थिति एवं अन्य आवश्यक विवरण की जांच अवश्य करें। किसी भी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता अथवा सुरक्षा के संबंध में संदेह होने पर संबंधित खाद्य सुरक्षा अधिकारी या खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को सूचित करें।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार आशका फैजान, पति फैजान शबीर, निवासी ए-40, भाटागांव चौक के पास, राधास्वामी नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा विक्रेता भुवन लाल एवं शंकर लाल दोनों पिता श्री भरोसी सोनकर के द्वारा नियुक्त आममुख्त्यार क्रमशः अमित सोनकर, पिता बी.एल. सोनकर, रमेश सोनकर, पिता श्री शंकर सोनकर एवं मनीष कुमार हरित पिता राधेश्याम हरित तीनो निवासी फिंगेश्वर, जिला गरियाबंद छ.ग. के स्वामित्व व आधिपत्य की आवासीय भूमि वाके मौजा ग्राम चिरहुलडीह, पटवारी हल्का नम्बर 52, रा.नि.मं. रायपुर - 3 कोटा तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित परिवर्तित खसरा नम्बर 845/1, रकबा 0.0970 हेक्टेयर याने 10440.99 वर्गफुट भूमि को खरीदने का पक्का सौदा कर लिया गया है। क्रेता के द्वारा उक्त वर्णित भूमि का पक्का सौदा कर बयाना राशि विक्रेता को प्रदान कर दिया गया है, तथा केवल विक्रय कार्यवाही शेष है।

अतः इस आम सूचना के जरिये सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति, संस्था, समूह, फर्म, कम्पनी, ट्रस्ट को उक्त सौदे पर या सौदा-शुदा सम्पत्ति पर कोई हक, दावा, उजर या आपत्ति है, तो वह हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज आम सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत करे। मौखिक एवं बगैर दस्तावेज तथा म्याद बाद की गयी आपत्ति स्वमेव शून्य व नाजायज माना जावेगा। यदि विक्रेता के द्वारा उक्त वर्णित भूमि जिसका आम सूचना प्रकाशित किया जा रहा है, को कहीं अन्यत्र विक्रय करता है, तो वह शून्य एवं अवैध माना जावेगा।

सो सूचना जाने....

रायपुर छ.ग.
दिनांक : 12.10.2026

भवदीय
संजय शर्मा (अधिवक्ता)
एकता नगर, गुढ़ियारी, रायपुर छ.ग.
मो. 9827154202

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-18-कांदुल , तहसील रायपुर जिला रायपुर

आम सूचना

दिनांक - 08/10/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका GYANENDRA SINGH पिता-SAHDEV SINGH पता-मकान नंबर 4/14, नेहरू नगर ईस्ट भिलाई दुर्ग द्वारा आवेदित ग्राम बोरियाकला प.ह.नं. 00081 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-18-कांदुल स्थित भूमि खसरा नंबर 139/6 (0.1020) हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के ज्ञा०/ रा० प्र० क्र० 202610110200053 Raipur के आदेश दिनांक 08/10/2026 के परिपालन में दिनांक 26/10/2026 को 2 PM बजे पश्चात किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त दिनांक 26/10/2026 को पूर्वान्ह/अपरान्ह 2 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00081 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-18-कांदुल के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
pavan prakash Baghel
रायपुर-18, कांदुल

नर्सिंग रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट गुमा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरा हिमाचल प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल द्वारा जारी नर्सिंग रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट टाटीबंध एम्स के सामने रोड पर खो गया है। जिसका रिपोर्ट सूचना आमानाका थाने में दर्ज कराया गया हैं। अतः जिस किसी सज्जन को मेरा हिमाचल प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल द्वारा जारी नर्सिंग रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट मिले तो कृपया करके निम्न पते पर पहुंचाने की या मोबाइल नंबर पर कॉल करने की कष्ट करे।

सुनीता देवी
पता-आर्य पुलिस अपार्टमेंट,टाटीबंध, रायपुर, छत्तीसगढ़
मोबाइल नंबर 9459511061

भानसोज में मां दुर्गा पंडाल में कल होगा जगराता

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

ग्राम भानसोज के बस स्टैंड में इस वर्ष नवयुवक दुर्गोत्सव समिति द्वारा पहली बार मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की स्थापना की गई है। नवरात्र पर्व के अवसर पर समिति द्वारा धार्मिक आयोजन के साथ जस जगराता कार्यक्रम की तैयारी की गई है। इसी कड़ी में बुधवार, 14 अक्टूबर को रात 10 बजे लोक कला मंच के तत्वावधान में झरना साहू की प्रस्तुति में भव्य जस जगराता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में माता सेवा के सुमधुर गीतों के माध्यम से मां दुर्गा की महिमा का गुणगान किया जाएगा। जस जगराता के माध्यम से नवरात्र पर्व की रौनक बढ़ने के साथ ही ग्रामीणों को छत्तीसगढ़ी लोक कला और जसगीतों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।





भर्ती नियमों में बड़ा बदलाव, अब सरकारी विभागों में भृत्य फर्राश और स्वीपर पदों के लिए भी 10वीं पास होना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सामान्य प्रशासन विभाग का आदेश, एसीबी के भर्ती नियम बदले

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के प्रशासकीय विभागों एवं शासकीय कार्यालयों में चतुर्थ श्रेणी पदों की भर्ती योग्यताओं में बड़ा बदलाव किया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी आदेश के तहत अब भृत्य (प्यून), फर्राश और स्वीपर जैसे पदों पर सीधी भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बढ़ाकर हाईस्कूल (10वीं बोर्ड) उत्तीर्ण कर दी गई है। इस संबंध में ''छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो सेवा भर्ती नियम, 2014'' में संशोधन करते हुए चतुर्थ श्रेणी पदों की भर्ती अर्हताओं को अपडेट किया गया है।



पहले क्या थी शैक्षणिक योग्यता?

गौरतलब है कि इससे पहले राज्य के शासकीय विभागों एवं चतुर्थ श्रेणी सेवाओं में भृत्य, फर्राश, सफाईकर्मी/स्वीपर और चौकीदार जैसे पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 5वीं से 8वीं कक्षा उत्तीर्ण रखी जाती थी। विभिन्न विभागों व आयोगों की भर्ती में 5वीं या 8वीं पास अभ्यर्थी इन पदों के लिए पात्र होते थे। हालांकि, शासकीय कामकाज में बढ़ती दक्षता और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों में सुधार के उद्देश्य से अब इसे बढ़ाकर 10वीं (हाईस्कूल) कर दिया गया है।

भर्ती नियमों में अन्य प्रमुख संशोधन

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी इस आदेश में केवल चतुर्थ श्रेणी ही नहीं, बल्कि कई अन्य पदों की भर्ती योग्यताओं और पदों की संख्या में भी संशोधन किए गए हैं। वाहन चालक (ड्राइवर): चालक पद के लिए किसी मान्यता प्राप्त मंडल से हाई स्कूल (10वीं) उत्तीर्ण होने के साथ-साथ वैध ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य किया गया है। स्टेनोग्राफर, डाटा एंट्री ऑपरेटर और सहायक ग्रेड-3: इन तृतीय श्रेणी पदों के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक अथवा 10+2 के साथ मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट डिप्लोमा तथा डाटा एंट्री/कंप्यूटर टाइपिंग डिप्लोमा व स्पीड सर्टिफिकेट अनिवार्य रखा गया है। नए पदों का समावेश- नियमों की अनुसूची में ''सहायक लेखा अधिकारी'' (लेवल-9) और ''सहायक उप निरीक्षक-एमटी'' (लेवल-6) जैसे नए पदों को भी शामिल किया गया है। शासन द्वारा किए गए इस संशोधन के बाद अब भविष्य में होने वाली चतुर्थ श्रेणी की सभी नई सीधी भर्तियों में अभ्यर्थियों को 10वीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

खबर संक्षेप



हमर अस्पताल में आठ घंटे में 9 प्रसव, सभी स्वस्थ

रायपुर। शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र यानी हमर अस्पताल गुढ़ियारी में चिकित्सकों ने सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवा का परिचय देते हुए आठ घंटे में 9 प्रसव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। एक के बाद एक प्रसव की स्थिति में हास्पिटल पहुंची प्रसूताओं में 5 की नार्मल और 4 की सिजेरियन डिलीवरी कराई गई। प्रसव प्रक्रिया के बाद सभी जच्चा-बच्चा पूरी तरह स्वस्थ हैं। प्रसव प्रक्रिया में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकित खंडेलवाल, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. किरण कांबले, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. कविता सिन्हा, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. हीरा सिंह लोधी, चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रेमलाल रात्रे तथा स्टाफ नर्स सुनैना पीटर, लक्ष्मी साहू, कविता डडसेना, मोनिका ध्रुव, सोमनाथ साहू शामिल रहे।



राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री से छगन ने की मुलाकात

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता छगन लाल मुंदड़ा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री सौदान सिंह से ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में सौजन्य मुलाकात की। जहां ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल से प्रदेश भाजपा कार्यालय में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री सौदान सिंह ने मुलाकात कराकर परिचय कराया।

मानदेय पर सीजीडीएफ ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ डॉक्टर्स फेडरेशन (सीजीडीएफ) ने प्रदेश के सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों एवं मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत एमबीबीएस एवं एमडी-एमएस अनुबंधित चिकित्सकों तथा संविदा जूनियर रेजिडेंट चिकित्सकों के मानदेय में वृद्धि एवं मानदेय संबंधी विसंगतियों के निराकरण की मांग को लेकर वित्त विभाग में जाकर ज्ञापन सौंपा है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह लोधी ने कहा कि चिकित्सक प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बढ़ती महंगाई, कार्यभार एवं चिकित्सकीय जिम्मेदारियों को देखते हुए उनके मानदेय में समयानुकूल वृद्धि आवश्यक है। लंबे समय से लंबित मानदेय संबंधी समस्याओं का निराकरण चिकित्सकों के हित में होने के साथ-साथ प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम होगा।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कॉस्मेटिक सर्जरी
झुर्रियां, झांई, दाग, तिल, अनचाहे बाल आदि (आधुनिक लेजर द्वारा), मुहांसे, दाग, नाक, होंठ, ठोड़ी, वक्ष, पेट आदि (प्लास्टिक सर्जरी द्वारा) तथा अंग कटने-जलने की
अति विशेष चिकित्सा.
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

घोटाले से शासन को 67.48 लाख का हुआ नुकसान

शिक्षा मिशन में फर्नीचर घोटाला, 10 के खिलाफ 20 हजार पन्नों का चालान पेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विशेष न्यायालय अंबिकापुर में चालान पेश

अविभाजित सरगुजा जिले में वर्ष 2010-11 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत खरीदे गए फर्नीचर में घोटाला प्रकरण में सोमवार को ईओडब्ल्यू, एसीबी की टीम ने 10 आरोपियों के खिलाफ 20 हजार पन्नों का चालान अंबिकापुर के विशेष अदालत में पेश किया। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (1) (डी), 13 (2) तथा आईपीसी की धारा 120-बी, 409 और 420 के अंतर्गत अपराध दर्ज है।

वर्ष 2010-11 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत अविभाजित सरगुजा जिले के मिडिल स्कूलों में फर्नीचर खरीदी के लिए 2.70 करोड़ का आवंटन किया गया था। जिला कार्यालय, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, अंबिकापुर ने तत्कालीन कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक के अनुमोदन से सीएसआईडीसी की दरों पर 10 फर्मों को क्रय आदेश दिए थे। इनके नाम कुल 2 करोड़ 68 लाख 18 हजार 838 के चेक 28 मार्च .2011 को जिला मिशन संचालक और जिला परियोजना समन्वयक के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी किए गए, जिनमें 20 दिनों के भीतर आपूर्ति की शर्त थी। स्कूल शिक्षा विभाग ने 20 अप्रैल 2013 को जांच के निर्देश दिए। कलेक्टर सरगुजा द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति ने 3 जून 2013 से 12 जून 2013 तक जांच की और 19 जुलाई 2013 को अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

फर्नीचर आपूर्ति के पहले चेक वितरित

जांच में समिति ने पाया कि कलेक्टर ने भौतिक सत्यापन के बाद ही चेक देने के निर्देश दिए थे, इसके बावजूद तत्कालीन जिला परियोजना समन्वयक एसपी पाण्डेय ने लेखापाल प्रवीण सिन्हा से चेक लेकर फर्नीचर की आपूर्ति से पहले 6 अप्रैल 2011 से 9 अप्रैल 2011 के बीच वितरित कर दिए। समिति के अनुसार, यह कार्यवाही पद का दुरुपयोग कर स्वयं और फर्मों को लाभ पहुंचाने तथा शासकीय राशि के गबन की मंशा से की गई थी। फर्मों ने देयकों के साथ स्कूलवार आपूर्ति की सूची और प्रधान पाठकों की हस्ताक्षरयुक्त पावतियां नहीं दी थीं और भुगतान के बाद भी पावतियां प्राप्त नहीं हुईं।



फर्नीचर के बजाय प्रिंटिंग प्रेस संचालक को वर्कआर्डर

जांच में पाया गया कि एसपी पाण्डेय ने 18 फरवरी 2011 को दर्शन फेब्रिकेटर, रायपुर के संचालक सुरेश कटारिया के नाम जारी क्रय आदेश उन्हें देने के बजाय आकृति प्रिंटिंग प्रेस अंबिकापुर के संचालक संजय पटेल को दिया। उन्होंने संजय पटेल को दर्शन फेब्रिकेशन के नाम से बैंक खाता खोलने के लिए कहा। इसके बाद प्रिंटिंग प्रेस संचालक ने दर्शन फेब्रिकेटर के नाम से अंबिकापुर के ओरिएंटल बैंक में खाता खोला और 28 मार्च 2011 के चेक की राशि 22 लाख 91 हजार 909 रुपए जमा कर रकम आहरित की। चेक के बदले एसपी पाण्डेय पर सात लाख रुपए कमीशन लेने का आरोप है। इसी तरह से एसपी पाण्डेय पर अन्य चेक में गड़बड़ी कर कमीशन लेने के आरोप हैं।

जांच में सहयोग नहीं देने पर किया गिरफ्तार

सत्यप्रकाश पाण्डेय और संजय पटेल को अपना पक्ष रखने तथा कथन दर्ज कराने के लिए कई बार नोटिस तामील कराए गए, लेकिन दोनों ने विवेचना में सहयोग नहीं किया। इस कारण दोनों को 19 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया गया। परिजनों को सूचना देने के बाद उन्हें न्यायिक मजिस्ट्रेट अंबिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से दोनों को 24 अगस्त 2026 तक न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था।

ये हैं मामले के आरोपी

कोर्ट में पेश चालान में तत्कालीन जिला परियोजना समन्वयक सत्यप्रकाश पाण्डेय, जो वर्तमान में सेवानिवृत्त हैं तथा दर्शन फेब्रिकेशन के संचालक संजय पटेल के अलावा अंबिका अलमीरा एंड स्टील फेब्रिकेटर्स के संचालक अजय कुमार अग्रवाल, सेलेनो स्टील की संचालिका ममता अग्रवाल, महामाया फेब्रिकेटर्स के संचालक बिधि सिंह कटलारिया, सूर्या स्टील एण्ड वुडन इंडस्ट्रीज के संचालक राजकुमार बंसल, श्री साईं इंडस्ट्रीज के संचालक संदीप तिवारी, श्याम मेटल प्रोडक्ट्स के संचालक हितेश कुमार अग्रवाल, श्री श्याम इंडस्ट्रीज के संचालक रितेश कुमार अग्रवाल और पंकज फर्नीचर मार्ट के संचालक संजीव गुप्ता को आरोपी बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में पहली बार आधुनिक डिजिटल एजुकेशन स्टूडियो प्रारंभ



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना ने किया उद्घाटन

छत्तीसगढ़ में एक हजार से अधिक सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय संचालित करने वाली संस्था सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ द्वारा सोमवार को आधुनिक डिजिटल एजुकेशन स्टूडियो का भव्य शुभारंभ किया गया।

छत्तीसगढ़ के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने डिजिटल माध्यम के उपयोग करने की दृष्टि से इस नए डिजिटल लैब की शुरुआत की गई। इस एजुकेशन डिजिटल स्टूडियो का कंट्रोल रूम रायपुर के सरस्वती शिक्षा संस्थान के मुख्यालय रोहिणीपुरम में है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों से लेकर सुदूर वनवासी क्षेत्रों में स्थित 150 से अधिक सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय इस कंट्रोल रूम से डायरेक्ट जुड़े हैं। सभी 150 विद्यालय में स्मार्ट क्लास का निर्माण किया गया है।

डिजिटल टेक्नोलॉजी को छात्रों के लिए वरदान

आधुनिक डिजिटल एजुकेशन स्टूडियो का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना ने किया। डॉ. सक्सेना ने इसे छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा क्षेत्र में एक अभिनव पहल बताया और उन्होंने इस डिजिटल टेक्नोलॉजी को विद्यार्थियों के लिए वरदान बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामभरोसा सोनी (प्रांतीय अध्यक्ष, सरस्वती शिक्षा संस्थान, छत्तीसगढ़) ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. देवनारायण साहू (प्रांतीय संगठन मंत्री, विद्या भारती, छत्तीसगढ़) रहे। कार्यक्रम में टोपलाल वर्मा प्रांत संघचालक, विवेक सक्सेना, बद्रीनाथ केशरवानी, निश्चय बाजपेयी, मोहन पवार, आशुतोष चावरे, प्रवास बघेल, हरिराम मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भाठागांव चौक से दतरेंगा टर्निंग पाइंट तक अधूरी सड़क का 15 नवंबर से डामरीकरण

- सोमवार शाम सड़क से सील्ट हटाकर कराई सफाई, मंगलवार से शुरू होगा लेवलिंग का काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम के जोन-6 क्षेत्र स्थित भाठागांव चौक से दंतरेंगा टर्निंग पाइंट तक 3.43 करोड़ की लागत से 1.2 किलोमीटर की सड़क बनाई जा रही है। सड़क के एक तरफ के डामरीकरण और चौड़ीकरण का काम मार्च माह से अटका हुआ है।

इस हिस्से में सड़क डामरीकरण और चौड़ीकरण का कार्य 15 नवंबर से शुरू हो जाएगा। इससे पूर्व अनुबंधित ठेकेदार द्वारा सोमवार की शाम इस सड़क से सील्ट हटाकर सफाई कराई गई। मंगलवार को बारिश के दौरान उबड़-खाबड़ हो चुकी सड़क की लेवलिंग का काम कराया जाएगा। आधे-अधूरे काम से जहां शहरवासी परेशान रहे, वहीं भाठागांव सहित आसपास की कालोनियों के रहवासी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भी इस मार्ग से आने-जाने में खासी असुविधा हो रही थी। मिडिल ईस्ट में गत दिनों हुए संघर्ष का डामर बिटुमेन आधारित सड़क निर्माण पर असर दिखा। डामर की कीमतों में वृद्धि के बाद रायपुर नगर निगम के अनुबंधित ठेकेदारों ने डामर किल्लत को देखते हुए सड़क निर्माण और डामरीकरण करने से हाथ खड़े कर दिए थे। अब 15 नवंबर से भाठागांव चौक से दतरेंगा मोड़ वाली सड़क के दूसरे हिस्से में सड़क निर्माण का काम शुरू होगा।



अगले माह शुरू होगा डामरीकरण

भाठागांव ब्रिज से दतरेंगा टर्निंग पाइंट तक सड़क डामरीकरण और चौड़ीकरण का एक लेन का काम पूर्व में कराया गया है। दूसरे हिस्से में सड़क चौड़ीकरण और डामरीकरण कार्य 15 नवंबर से शुरू होगा। सड़क के दोनों ओर नाली बनाने का काम पूरा हो गया है। इसी तरह गोंदवारा ब्रिज से रिंगरोड-2 तक सड़क डामरीकरण और निर्माण कार्य में बेस का काम हो गया है, डामरीकरण का कार्य शुरू कराने की तैयारी है।
- **इमरान खान**, अधीक्षण अभियंता, नगनि रायपुर

बारिश के दौरान हुए गड्ढों से लोगों का आना-जाना दूभर

भाठागांव ब्रिज से दतरेंगा मोड़ तक 3 करोड़ 34 लाख की लागत से 1.2 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जा रही है। नगर निगम के लोककर्म विभाग ने ऑनलाइन टेंडर कर वर्कआर्डर के बाद स्थानीय एजेंसी को सड़क चौड़ीकरण और डामरीकरण कार्य का जिम्मा दिया है। अनुबंध की शर्त के मुताबिक सड़क का काम मार्च 2026 तक पूरा हो जाना था, लेकिन मई के अंतिम सप्ताह तक सिर्फ एक लेन की सड़क ही बन पाई है, जबकि दूसरी लेन अभी भी खराब है। इसके चलते सुबह से लेकर देर शाम तक इस मार्ग पर धूल और बारिश के दौरान हुए गड्ढों से लोगों का आना-जाना दूभर हो गया है। मार्च में एक लेन तैयार करने के बाद बाजार में डामर की किल्लत और इसकी कीमत बढ़ने से परेशानी का हवाला देते हुए ठेकेदार ने यह काम रोक दिया। अब 15 नवंबर से दूसरे लेन की सड़क निर्माण कार्य शुरू होगा। इसके पूर्व अनुबंधित ठेकेदार द्वारा भाठागांव ब्रिज से दतरेंगा मोड़ तक गंदे पानी के निकास के लिए नई नाली निर्माण का कार्य पूरा करा लिया गया है।

किसान का अनूठा विरोध, मुआवजा मांगने मवेशियों को लेकर कलेक्टोरेट पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतमाला परियोजना के प्रभावित एक किसान ने मुआवजे की मांग को लेकर सोमवार को अनोखे अंदाज में विरोध जताते हुए कलेक्टर से गुहार लगाई है। पारागांव आरंग निवासी किसान भास्कर चंद्राकर अपने साथ कुछ मवेशियों को लेकर कलेक्टोरेट पहुंचा था। वह मवेशियों को कलेक्टोरेट परिसर ले जाना चाहता था, लेकिन मुख्य गेट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे गेट के बाहर ही रोक दिया। इसके बाद किसान ने मवेशियों को गेट के बाहर बांधा और अपनी मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

किसान भास्कर चंद्राकर ने बताया कि ग्राम पारागांव में उसकी पैतृक भूमि खसरा नंबर 898/1 एवं 899/1 को भारतमाला परियोजना के लिए अधिग्रहित किया गया है। भूमि अधिग्रहण के बाद वह बेघर हो गया है। उसके साथ दो गाय, उसके दो बछड़े एवं एक बकरा भी बेघर हो गया है। भूमि अधिग्रहण करने के बाद से अब तक उसे मुआवजा राशि नहीं मिली है। इस कारण उसका पूरा परिवार परेशान है, जबकि भूमि अधिग्रहण के दौरान उसने प्रशासन के सारे नियमों का पालन किया है। इसके बाद भी उसे उसकी भूमि का मुआवजा नहीं दिया गया है। ज्ञापन के जरिए किसान ने कलेक्टर से मुआवजा राशि दिलाए जाने की गुहार लगाई है।



- भारतमाला परियोजना में भूमि अधिग्रहित होने के बाद बेघर

अलर्ट एप भी अलर्ट नहीं कर पा रहा हाथियों से, लगातार धमक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

फसल पकने के बाद हाथी रहवासी क्षेत्र में करते हैं प्रवेश, फसल बर्बाद, जनहानि भी

राज्य के आधा दर्जन से ज्यादा वनमंडलों में साढ़े तीन सौ के करीब हाथी विचर रहे

मानव-हाथी द्वंद्व और हाथियों का रहवासी क्षेत्रों में प्रवेश एक बेहद जटिल समस्या है। वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी, मुनादी, अलर्ट एप के माध्यम से लोगों को सचेत करने का काम किया जा रहा है। बावजूद इसके हाथियों को रहवासी क्षेत्र में आने से रोकने जमीनी स्तर पर कोई उल्लेखनीय कार्ययोजना वन विभाग के जिम्मेदार नहीं बना पा रहे हैं। वहीं प्रदेश में बनाए गए एप का उपयोग पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश, कर्नाटका, ओडिशा आदि में किया जा रहा है, मगर छत्तीसगढ़ अब तक इस मामले में फिसड्डी है। हाथी की समस्या का एक बड़ा कारण यहां का खंडित वनक्षेत्र के साथ वनों में अवैध कब्जा कर कृषि कार्य करने के साथ वहां निवास करना है। राज्य के अलग-अलग वनक्षेत्रों में वर्तमान में साढ़े तीन सौ के करीब हाथी विचरण कर रहे हैं। वन्यजीवों के जानकारों के अनुसार, अक्टूबर-नवंबर में रहवासी क्षेत्र में हाथियों के प्रवेश की घटनाएं ज्यादा होती हैं। अक्टूबर-नवंबर महीने में धान की फसल में दूध भरने का समय रहता है। इस कारण हाथी फसल खाने रहवासी क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं और धान की फसल चरने के साथ खड़ी फसल बर्बाद कर देते हैं। पूर्व में हाथियों की निगरानी करने अलग-अलग दल के एक-एक हाथी में रेडियो कॉलर लगाए गए थे। यह योजना भी पूरी तरह से फेल हो गई है।

हरिभूमि सरोकार

रहवासी क्षेत्र में इन कारणों से हाथी प्रवेश कर रहे

खंडित वनक्षेत्र - राज्य के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में जंगल बड़े तो दिखते हैं, लेकिन वे छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट चुके हैं, हाथियों को एक बड़े जंगल से दूसरे जंगल जाने के लिए इंसानी बस्तियों या खेतों से होकर गुजरना ही पड़ता है।

हरे चारे की कमी - वन्यजीव विशेषज्ञों के अध्ययनों के अनुसार, दूर से हरे-भरे दिखने वाले कई जंगल वास्तव में हाथियों के अनुकूल नहीं हैं। इन जंगलों के ग्राउंड लेवल पर हाथियों के खाने लायक पर्याप्त चारा, बांस और फलदार वृक्ष नहीं बचे हैं।

खेत से आकर्षित हो रहे हाथी - जंगलों में पर्याप्त हरा चारा नहीं मिलने पर हाथी आसानी से उपलब्ध और स्वादिष्ट फसलों (जैसे धान और गन्ना) तथा गांवों में रखे अनाज व महुआ की तलाश में रहवासी क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं।



पारंपरिक रास्ते बाधित होना - हाथी सदियों से अपने तय कॉरिडोर पर चलते हैं। इन रास्तों के बीच में अब सड़कें, बांध, बिजली के पॉवरग्रिड, रिसॉर्ट्स और इंसानी बस्तियां बन चुकी हैं। रास्ते बाधित होने से हाथी भटककर सीधे शहरों या गांवों में प्रवेश कर रहे हैं।

अलर्ट एप से पड़ोसी राज्य अलर्ट

तीन वर्ष पूर्व फरवरी 2023 में मानव हाथी द्वंद्व रोकने उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन ने एलिफेंट अलर्ट एप विकसित किया था। यह एप सेटेलाइट से संचालित होता है। इस एप के माध्यम से 20 किलोमीटर पहले हाथी के आने की सूचना मिल जाती थी। इससे लोगों को अलर्ट करने में मदद मिलती है। एलिफेंट एप का राज्य के हाथी प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग किए जाने का दावा किया जाता है। बावजूद इसके हाथियों के रहवासी क्षेत्र में प्रवेश करने की जानकारी फील्ड स्टाफ को नहीं मिल पाना चिंता का विषय है।



हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937



02

आरपीएफ ने स्थापना दिवस पर ...

सिटी इवेंट

मंगल और चंद्रयान अभियान को आगे बढ़ाने किया प्रेरित



रायपुर। एनआईटी में "अंतरिक्ष एवं अंतरग्रहीय प्रणालियों के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां " विषय पर आयोजन किया गया। संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी के सहयोग से सोमवार को पांच दिवसीय संकाय विकास का शुभारंभ किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरएन साहू उपस्थित रहे। साथ ही एनआईटी के सेंटर ऑफ स्पेस एंड इंटरप्लेनेटरी एक्सप्लोरेशन के मेंटर प्रो. शुभाशिष सान्याल, अधिष्ठाता प्रो. शुभ्रता गुप्ता तथा आईआईटी गुवाहाटी के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. प्रदीप कुमार दास भी शामिल हुए। मुख्य अतिथि डॉ. साहू ने एनआईटी रायपुर को पीएचडी में नए प्रवेश के लिए संस्थान को बधाई दी। उन्होंने मंगल अभियान और चंद्रयान जैसे भारत के अंतरिक्ष अभियान की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रतिभागियों को अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। ड्रोन प्रौद्योगिकी और कृषि में इसके अनुप्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की। अपने विद्यार्थी जीवन का एक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि उनसे कभी एक सरल प्रश्न पूछा गया था- "ड्रोन क्या है" इसके बाद उन्होंने इस क्षेत्र के तीव्र विकास की चर्चा की।

एनआईटी में "अंतरिक्ष एवं अंतरग्रहीय प्रणाली के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां" विषय पर आयोजन

अंतरिक्ष एवं अंतरग्रहीय प्रणाली बहुविषयक क्षेत्र

प्रो. शुभाशिष सान्याल ने बताया कि इस संकाय विकास कार्यक्रम की परिकल्पना उनके सेंटर ऑफ स्पेस एंड इंटरप्लेनेटरी एक्सप्लोरेशन की टीम ने किया है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष एवं अंतरग्रहीय प्रणालियां बहुविषयक क्षेत्र हैं, जिनका दायरा केवल नासा और इसरो जैसी संस्थाओं तक सीमित नहीं है। इन क्षेत्रों के विकास में कंप्यूटर विज्ञान, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और रोबोटिक्स सहित विभिन्न विषयों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने इन प्रौद्योगिकियों में देश की क्षमताओं को विकसित करने को आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बेहतर कदम बताया।

जीवन की चुनौतियों के समाधान पर जोर

इस सत्र में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि उभरती प्रौद्योगिकी नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से वास्तविक जीवन की कई चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरविषयक सहयोग को बढ़ावा देना तथा अंतरिक्ष एवं अंतरग्रहीय प्रणालियों के क्षेत्र में प्रतिभागियों की विशेषज्ञता को मजबूत करना है।

लाइव इवेंट

'एक डाक नेटवर्क अनंत संभावनाएं' थीम पर विभाग वर्षभर करेगा पहल



रायपुर। भारतीय डाक विभाग इस बार भी राष्ट्रीय डाक सप्ताह मनाने का सिलसिला शुरू किया गया है। वर्षभर सेवाओं की बेहतरी के लिए अलग-अलग थीम पर अभियान चलाया जाता है। 2026-27 के लिए एक डाक नेटवर्क अनंत संभावनाएं थीम तय किया है। इसके तहत सरोकार से जुड़ी सेवाओं के साथ विभाग के अधिकारी और कर्मचारी छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल में काम करेंगे। इस परंपरा की शुरुआत 1874 में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की स्थापना की वर्षगांठ से शुरू की गई। इस क्रम में विभाग विश्व डाक दिवस के अवसर पर कई तरह की गतिविधियों का संचालन करता है। यह जानकारी सोमवार को मालवीय रोड स्थित मुख्य डाकघर सर्किल आफिस के मीटिंग हाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में चीफ पोस्ट मास्टर जनरल प्रणव कुमार झा और डायरेक्टर पोस्टल सर्विस सुबोध प्रताप सिंह ने दी।

समय के साथ बेहतर और हाईटेक हुईं डाक सेवाएं

उन्होंने संयुक्त रूप से बताया कि प्रतिवर्षों की तरह इस बार भी विश्व डाक दिवस के उपलक्ष्य में डाक सप्ताह का क्रम शुरू किया गया है।इसकी शुरुआत शुक्रवार से की गई है। सोमवार को फन विद फिलाटेली दिवस का आयोजन किया गया। साथ ही यह निर्णय लिया गया है कि आगामी प्लानिंग में एक ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी, जिससे डाक सामग्री का संग्रह करने वालों के साथ मिलकर नई पीढ़ी को इससे जोड़ने का प्रयास किया जाए। मंगलवार को वित्तीय समावेशन एवं नागरिक केन्द्रीत सेवा दिवस मनाया जाएगा। इस क्रम में बुधवार को मेल्स एवं पार्सल दिवस और गुरुवार को टेक्नालॉजी एवं नवाचार दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि समय के साथ डाक सेवाओं को भी हाईटेक किया गया है। इससे ग्राहक सेवा जहां बेहतर हुई है, वहीं लोगों को बैंकों की तरह लेन-देन की सुविधा भी दी जा रही है।

● राजधानी में दुर्गा पूजा उत्सव के लिए समितियों ने थीम बेस्ड किया पंडाल, डिजिटल प्रयोग ने बढ़ाई भव्यता

हाथी पर सवार मां दुर्गा, 51 शक्तिपीठों की झलक पंडालों में आकर्षण का केंद्र बनीं चलित झांकियां

शारदीय नवरात्र में मंदिरों में जहां पूजा उत्सव की धूम है। वहीं सार्वजनिक दुर्गा पूजा समितियों ने भी पंडालों और प्रतिमाओं को थीम बेस्ड करने का प्रयास किया है। किसी समिति ने माता रानी को हाथी पर सवार मुद्रा में स्थापित किया है, तो कहीं 51 शक्तिपीठों की झलक पंडालों में आकर्षण का केन्द्र हैं। इनमें अलग-अलग धार्मिक प्रसंगों पर आधारित चलित झांकियों को भी आकर्षक स्वरूप देने और डिजिटल तकनीक का प्रयोग करते हुए आयोजन की भव्यता को बढ़ाने का सुन्दर प्रयास किया गया है। इसे दर्शनार्थियों द्वारा भी मोबाइल में कैद करने का प्रयास किया जा रहा है।



दिव्य रूप और श्रृंगार कर रहा मंत्रमुग्धः जागृति बाल समाज दुर्गा उत्सव समिति टिकरापारा में नवदुर्गा के सभी नौ रूपों दिखाने का प्रयास किया है। श्रृंगार श्रद्धालुओं को श्रद्धा भक्ति के भाव से मंत्रमुग्ध कर रहा है। वहीं पंडाल में की गई लाइटिंग, झूमर और सजावट भव्य आभा बिखेरी रही है। समिति के अध्यक्ष राकेश यदु ने बताया कि हर बार समिति द्वारा अलग-अलग थीम पर माता की प्रतिमाएं विराजित करते हैं। इस बार नौ दुर्गा रूप में माता विराजमान है।

असुरों का संहार करती माता की प्रतिमा

आधुनिक तकनीक ने पूजा के अनुभव को बदल दिया है। 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग और लाइट शो पंडाल की दीवारों पर रोशनी, तकनीक के जरिए चलती-फिरती कहानियां जैसे महिषासुर वध का चलचित्र, चलती-फिरती मैकेनिकल प्रतिमाएं, रोबोटिक्स की मदद से मां दुर्गा के हाथों असुरों का संहार करते हुए और आशीर्वाद देते हुए दिखाया है। पंडाल के माहौल को और जीवंत बनाने के लिए खास तरह का बैकग्राउंड स्कोर और साउंड इफेक्ट्स तैयार किया गया हैं।

सच्चियाय माता की शोभायात्रा 18 को, लगाएंगे छप्पन भोग

श्री सच्चियाय माता सेवक संघ द्वारा देवेंद्र नगर स्थित गुजराती स्कुल ज्ञानोदय भवन में श्री सच्चियाय माता कुलदेवी की शोभायात्रा का आयोजन 18 अक्टूबर को किया जाएगा। मीडिया प्रभारी राजकुमार राठी ने बताया की शोभायात्रा के बाद माता का अलौकिक श्रृंगार कर छप्पन भोग लगाया जाएगा जिसके बाद महाआरती करके प्रसादी वितरित की जाएगी। बीकानेर के सुप्रसिद्ध कलाकार नरोत्तम रांगा व रायपुर के दिलिप राखेचा,गर्व बैद,हार्दिक व्यास (राजनांदगांव) एवं अन्य कलाकारों द्वारा कुलदेवी श्री सच्चियाय माताजी के भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। श्री सच्चियाय माता ओसवाल,माहेश्वरी सहित अनेक समाज की कुलदेवी है जिनका राजस्थान जोधपुर जिला के तहसील ओसियां में विशाल मंदिर है। जहां प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री राजेन्द्र बैद, मनीष समदड़िया, जयकिशन मोहता, पवन करणानी,सुभाष कोठारी,नरेंद्र पारख, मनीष सिंघी, सजय बैद,उमेद बैद,कमलेश चोपड़ा,पवन मोहता, रंजु बैद सहित हजारों कुलदेवी के भक्तजन उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में 108 जोड़े द्वारा सामूहिक चुनरी चढ़ाने के साथ ही छप्पन भोग (51 किलो) मधुर भजनों के साथ माँ सच्चियाय कुलदेवी को अर्पित किया जाएगा।



पंडाल में असम की सांस्कृतिक झलक



छत्तीसगढ़ वीर कुंवर संघ दुर्गा पूजा उत्सव समिति अश्वनी नगर द्वार सजाए गए पंडाल में असम की संस्कृति भी देखने को मिल रही है। पंडाल के बाहरी और आंतरिक सजावट में असम के प्रसिद्ध बांस और बेंत शिल्प का शानदार उपयोग किया गया है। पंडाल के विभिन्न हिस्सों में असम की पहचान माने जाने वाले पारंपरिक डिजाइन और रूपांकनों को कलात्मक ढंग से उकेरा गया है। पंडाल में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा महिषासुर मर्दनी रूप में है। माता का श्रृंगार भी असम की पारंपरिक शैली से प्रेरित है। जो श्रद्धालुओं को एक नया और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान कर रहा है। समिति के सदस्यों ने बताया कि यह थीम स्थानीय कलाकारों और कारीगरों ने मिलकर थीम को जीवंत किया है।

गज केसरी थीम में माताराणी का दर्शन



आमापारा चौक के पास न्यू आजाद दुर्गा उत्सव समिति ने पूजा पंडाल में गज केसरी योग थीम पर मां दुर्गा की प्रतिमा को स्थापित किया है। यहां पर हाथी पर सवार मां माता दुर्गा की प्रतिमा श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। समिति के अध्यक्ष दीपक जयसवाल ने बताया कि ज्योतिष और हिंदू धार्मिक मान्यताओं के तहत जब शारदीय नवरात्रि की शुरुआत रविवार या सोमवार से होती है, तो माता रानी का आगमन गज यानी हाथी पर माना जाता है। हाथी पर माता की सवारी इस विशेष थीम को ध्यान में रखकर माता की प्रतिमा स्थापित की गई है। इनमें माता दुर्गा को पारंपरिक सिंह की जगह विशाल और आकर्षक रूप से सजे हुए हाथी पर विराजमान दिखाया गया है।



डिजिटल दौर में बढ़ती निर्भरता के बीच स्वस्थ रहने किया सजग



रायपुर। सेंट्रल लाइब्रेरी कैंपस स्थित कला केंद्र में 'डिस्कनेक्ट टू रिकनेक्ट' का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला प्रशासन के तत्वधान में किया गया। इसका उद्देश्य मोबाइल और डिजिटल दुनिया पर बढ़ती निर्भरता के बीच बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति सजग करना रहा। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में समता कॉलोनी, डीडीयू नगर, चौबे कॉलोनी, कोटा और डंगनिया सहित आसपास से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। सेवा संकल्प अभियान की भावना से प्रेरित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्षद आनंद अग्रवाल शामिल हुए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों ने योग, रोप स्किपिंग और पारंपरिक अखाड़ा व्यायाम का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षकों ने शारीरिक फिटनेस, मानसिक एकाग्रता, लचीलेपन, पर्याप्त नींद और स्वस्थ जीवनशैली में योग एवं व्यायाम के महत्व को बताया। 'डिस्कनेक्ट टू रिकनेक्ट' के माध्यम से मोबाइल का संतुलित उपयोग करते हुए खेल, योग, परिवार और सामाजिक संवाद के लिए समय निकालने का संदेश दिया।

स्वास्थ्य जागरूकता की नियमित कक्षाएं भी होंगी

इससे बच्चों एवं युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा मिलेगा। सेवा संकल्प अभियान की भावना से प्रेरित इस आयोजन में राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक नुरेंद्र , राष्ट्रीय रोप स्किपिंग एवं फिटनेस प्रशिक्षक वासुदेव पटेल एवं देवाशीष पटेल, राष्ट्रीय कुश्ती प्रशिक्षक दुष्यंत यादव और कलाकेंद्र संचालक राहुल ठाकुर मौजूद रहे। कार्यक्रम को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए कलाकेंद्र में जल्द ही बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं के लिए शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक एकाग्रता और संवाद कौशल से जोड़ने नियमित कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

महिला को आत्मनिर्भर बनाने 'बावरी फिरकी' प्रदर्शनी शुरू

रायपुर। राजधानी के टेमरी स्थित ओमाया गार्डन में सोमवार को दो दिवसीय 'बावरी फिरकी' प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। आयोजिका ज्योति भोजसिया एवं कनिका कटारिया ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को सशक्त और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। प्रदर्शनी में फैशन, ज्वेलरी, होम डेकोर और लग्जरी लिविंग से जुड़े चुनिंदा एवं प्रतिष्ठित ब्रांड्स के उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। इसमें वन बंधु परिषद महिला समिति की प्रदेश मीडिया प्रभारी कविता राठी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने उद्यमियों का उत्साह बढ़ाते हुए आगे भी बेहतर काम करने के लिए प्रेरित किया।



नया बाजार तलाशने का मिला अवसर

आयोजकों ने बताया कि सात वर्षों के अनुभव और सात शहरों में सफल आयोजन के जरिए 'बावरी फिरकी' ने महिला उद्यमियों को बाजार से जोड़ने का मंच तैयार किया है। इससे लघु उद्योग संचालित करने वाली महिलाओं को अपने उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाने और नया बाजार तलाशने का अवसर मिलता है। यह पहल महिलाओं के व्यवसाय को प्रोत्साहित करने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिल रहा है। प्रदर्शनी का समापन 13 अक्टूबर को रात 8 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर वर्षा, मोहिनी, ऋतु बंसल, आशा फतनानी, मोना वाधवानी, कनिष्का सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

शहर में कई ऐसी संस्थाएं और लोग, जो निस्वार्थ सेवा देते हुए छात्र-छात्राओं का संवार रहे जीवन

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का ग्रेड सुधारने फ्री कोचिंग, पालकों को आर्थिक बोझ से बचाने पहल

कार्नर न्यूज

रायपुर। आने वाले कुछ दिनों में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की अर्ध वार्षिक परीक्षाओं को दौर शुरू होने वाला है। ऐसे में पालको की चिंता भी बढ़ने लगी है। आर्थिक तंगी के चलते सरकारी स्कूलों में बेटे-बेटियों को पढ़ाने वाले माता-पिता कोचिंग दिलाने में भी सक्षम नहीं होते हैं। ऐसे पालकों को आर्थिक बोझ से बचाने और विद्यार्थियों का ग्रेड सुधारने में सहयोग करने के लिए शहर में कई ऐसे लोग एवं संस्थाएं हैं। जिनके पहल से जाने कितने ही छात्र-छात्राओं को फ्री-कोचिंग की सुविधा मिल रही है। ऐसे ही फ्री -कोचिंग सेवा से जुड़ी संस्था सुधा सोसायटी फाउंडेशन के संस्थापक जीके भटनागर की पहल पर तीन साल पहल अमलीडीह में एक पेड़ के नीचे 10 बच्चों को फ्री-कोचिंग देने के लिए पहल की गई। उन्होंने बताया कि अभी आसपास की बस्तियों में रहने वाले 55 से अधिक छात्र-छात्राएं पढ़ने के लिए आते हैं। शाम को साढे 4 से साढे 6 बजे के बीच पहली से आठवी के विद्यार्थियों को शिक्षा देते हैं। इसमें कालोनियों में रहने वाले लोग समय दान के साथ ही विद्यार्थियों को कापी, पेन, पेंसिल भी उपलब्ध करवाने में सहयोग देते हैं।



ड्राइंग-पेंटिंग के साथ वेस्ट से बना रहे बेस्ट

शहर के नरेश वाढेर शिक्षक नहीं हैं, लेकिन कला को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करते हैं। भावी पीढ़ी ड्राइंग-पेंटिंग की विधा से जुड़ने के साथ इससे आय भी अर्जित करे, इस लायक अभी तक 200 से ज्यादा युवाओं को बनाने में सफल रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब युवाओं को वेस्ट से बेस्ट बनाने और इससे पैसे कमाने का हुनर सिखा रहे हैं। बादाम के छिलके, टीशु पेपर, रद्दी पेपर जैसी कई अनुपयोगी चीजों से दोबारा नई चीजों को बनाने की कला सीखने में युवा इंट्रेस्ट लेते हैं। कई युवा ऐसे हैं, जो इस काम को करते हुए अपनी पढ़ाई का खर्च भी निकाल रहे हैं। कई युवा ग्रुप बनाकर इस काम को कॉलोनियों में लोगों से आर्डर लेकर काम करते हुए आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं।

शिक्षिका नहीं, पर शिक्षा को बढ़ावा देने प्रयास

गुरुमुख सिंह नगर के आसपास की बस्ती के बच्चों को विगत 20 साल से शीला चक्रवर्ती फ्री कोचिंग दे रही हैं। हर साल सरकारी स्कूलों में पहली से 5वीं में पढ़ने वाले बच्चों को अपने घर में ही पढ़ना-लिखना सिखाती हैं। जिनके पास किताब-कॉपी, पेन, पेंसिल नहीं होते, उन्हें भी जरूरी सामग्री उपलब्ध कराती हैं। उन्होंने बताया कि गरीबी को सिर्फ शिक्षा से दूर किया जा सकता है। बच्चे शिक्षित रहेंगे तो वह अच्छा काम करके घर-परिवार चला सकते हैं। अभी तक 60 से ज्यादा शाला त्यागी बच्चों का दोबारा दाखिला कराने का दायित्व निभाया । इसके लिए उनके माता-पिता को समझाते हुए पढ़ाई के लिए अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराती हैं। प्रतिदिन दो पाली में 20 से ज्यादा बच्चों को निशुल्क कोचिंग देने के साथ होमवर्क भी कराती हैं, ताकि होने वाली परीक्षाओं में उनकी ग्रेडिंग को बेहतर किया जा सके।

दुर्गोत्सव



नवयुवक दुर्गोत्सव समिति, नीर भवन



मां समलेश्वरी दुर्गोत्सव समिति, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी



मां गौरीशंकर दुर्गा उत्सव समिति, सेक्टर-2, डीडीनगर



जय माँ दुर्गोत्सव समिति, कैलाशपुरी चौक



श्रीकृष्ण बाल समाज दुर्गोत्सव समिति, महमाई पारा



श्री पंचमुखी हनुमान बाल समाज दुर्गोत्सव समिति, बंधवापारा



युवा शक्ति दुर्गोत्सव समिति, हनुमान नगर, मठपारा



श्री साईं दुर्गोत्सव समिति, दुर्गा नगर, बिरगांव

● परेड में महिला टुकड़ी, श्वान दस्ते ने लिया हिस्सा, उत्कृष्ट सेवा के लिए अधिकारियों और जवानों का हुआ सम्मान

आरपीएफ ने स्थापना दिवस पर दिखाया दमखम, परेड में जवानों का शौर्य, प्रदर्शनी में आधुनिक तकनीक का आकर्षण

रेलवे सुरक्षा बल का 42वां स्थापना दिवस सोमवार को डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित इंस्टीट्यूट ग्राउंड में उत्साह, अनुशासन और गौरव के साथ मनाया गया। इस समारोह में आयोजित औपचारिक परेड में आरपीएफ के जवानों ने कदम ताल करते हुए अपनी अनुशासनबद्ध कार्यशैली, शारीरिक दक्षता और परिचालन क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। इनमें महिला टुकड़ी, कोरश कमांडो, श्वान दस्ता सहित सेगवे टुकड़ी की भागीदारी ने परेड को विशेष आकर्षण प्रदान किया। वहीं, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में ड्रोन, ह्यूमनॉइड रोबोट अर्जुन, डिजिटल अपराध विश्लेषण मॉड्यूल और फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली के माध्यम से रेलवे सुरक्षा के आधुनिक स्वरूप को भी प्रदर्शित किया गया।



प्रदर्शनी में दिखा सुरक्षा का आधुनिक स्वरूप

स्थापना दिवस पर में आयोजित प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी ने रेलवे सुरक्षा के बदलते स्वरूप को सामने रखा। प्रदर्शनी में खास उपकरणों के साथ डिजिटल प्रणालियों को भी प्रदर्शित किया। जिनका उपयोग निगरानी, अपराध विश्लेषण, पहचान और सुरक्षा संबंधी सूचनाओं के प्रबंधन में किया जा सकता है। ह्यूमनॉइड रोबोट, मानव जैसी संरचना वाला यह रोबोट प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहा। ऐसे रोबोटों का उपयोग निर्धारित परिस्थितियों में निगरानी, सूचनाएं उपलब्ध कराने और सुरक्षा संबंधी कार्यों में सहायता के लिए किया जा सकता है। ड्रोन गश्त में ड्रोन की मदद से रेलवे परिसरों और निर्धारित क्षेत्रों की हवाई निगरानी की जा सकती है। इससे बड़े क्षेत्रों का निरीक्षण करने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और सुरक्षा संबंधी जानकारी जुटाने में सहायता मिल सकती है।





तीन श्रेणियों में पुलिस जीवन रक्षा पदक सम्मान

समारोह में उत्कृष्ट सेवा के लिए अधिकारियों और जवानों का सम्मान खास आकर्षण रहा। रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा, आईपीएस ने विशिष्ट सेवा और सराहनीय योगदान के लिए पदक एवं अलंकरण प्रदान किए। इस अवसर पर विशिष्ट सेवा के लिए तीन राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनीय सेवा के लिए 30 पुलिस पदक तथा वर्ष 2024 में एक रेल यात्री का जीवन बचाने के लिए एक जीवन रक्षा पदक प्रदान किया गया। यह सम्मान स्वतंत्रता दिवस 2025 और गणतंत्र दिवस 2026 पर घोषित पुरस्कारों से संबंधित थे।

अतिथियों की मौजूदगी में मनाया स्थापना दिवस

आयोजन में रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा, आईपीएस मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। समारोह में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक दयानंद, छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महानिरीक्षक मुनव्वर खुर्शीद तथा रेलवे, छत्तीसगढ़ प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।







रायपुर। समारोह में उत्कृष्ट सेवा देने वाले अधिकारियों और जवानों को पदकों से सम्मानित भी किया गया। इस बीच प्रमुख आकर्षण औपचारिक परेड रहा। निर्धारित क्रम में परेड टुकड़ियों ने मैदान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अनुशासित कदमताल के माध्यम से बल की तैयारी और एकजुटता का प्रदर्शन किया। परेड में महिला टुकड़ी, कोरस कमांडो टुकड़ी, श्वान दस्ता और सेगवे टुकड़ी शामिल रहीं। महिला जवानों की भागीदारी ने रेलवे सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया, जबकि कोरस कमांडो टुकड़ी ने बल के विशेष परिचालन क्षमताओं का परिचय दिया। श्वान दस्ते की भागीदारी ने सुरक्षा संबंधी कार्यों में प्रशिक्षित श्वानों की उपयोगिता को सामने रखा। वहीं सेगवे टुकड़ी ने आधुनिक साधनों की मदद से गश्त और निगरानी की संभावनाओं को प्रदर्शित किया। इसके अवसर के साक्षी हजारों लोग बने।

छत्तीसगढ़ जुहार परिवार के नुआखाई भेटघाट में सिंगर्स ने मंच पर मचाई धूम

रायपुर। प्रतिवर्षों की तरह इस बार भी छत्तीसगढ़ जुहार परिवार के द्वारा भारत माता चौक गुढ़ियारी में भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन की परंपरा को निभाते हुए परिवार के अध्यक्ष संजय नाग के नेतृत्व में रविवार की रात शानदार पहल करते हुए समाज को जोड़ने का प्रयास किया। इस वर्ष भी 'छत्तीसगढ़ जुहार परिवार द्वारा नुआखाई भेटघाट' को यादगार बनाने के लिए आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। इस सुखद अवसर पर समाज की सहभागिता ने उत्सव को खास बनाया। ओडिशा की सिंगर्स निशा सुना,डमरू टांडी छत्तीसगढ़ की सिंगर माधुरी शर्मा ने भी गीतों की श्रृंखला सजाते हुए नृत्य प्रस्तुत किया।



'नुआखाई' हमारी मिट्टी, कृषि और भाईचारे का उत्सव



आयोजक परिवार ने समाज के बीच कहा कि 'नुआखाई' हमारी मिट्टी, कृषि और भाईचारे का उत्सव है। यह नवअन्न ग्रहण करते हुए मां समलेश्वरी से सभी के सुख, समृद्धि और आरोग्य जीवन की कामना करने का पावन अवसर है। रायपुर में निवास करने वाले ओड़िया समाज को एकजुट करके पिछले 17 वर्षों से कला, संस्कृति और परंपराओं को संजोने का प्रयास किया जा रहा है। इसका प्रचार-प्रसार के लिए 'छत्तीसगढ़ जुहार परिवार द्वारा किया जा रहा प्रयास आगे भी निरंतर जारी रखने का प्रयास किया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी को कला और संस्कृति के साथ परंपराओं से जोड़ने का प्रयास सफल हो सके।

जसगीत गायक दिलीप षड़ंगी ने कहा- अब जल्दी मिल रही है पहचान

रायपुर। नवरात्रि के दूसरे दिन सोमवार को रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित 'हमर पहुना' की श्रृंखला में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध जसगीत गायक दिलीप षड़ंगी ने चर्चा के बीच कहा कि 40 साल की मेहनत के बाद हमें, लोगों के बीच पहचान मिली। लेकिन अब युवाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से जल्दी पहचान मिल रही है। यह कलाकारों के लिहाज से अच्छे संकेत हैं। संवाद के बीच उन्होंने अपने गीत-संगीत से पत्रकारों के बीच अच्छा वातावरण निर्मित किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से आत्मीय चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, जस गीतों की परंपरा और अपने संगीत सफर के अनुभव को साझा किया। साथ ही स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करने और उन्हें अधिक अवसर देने के लिए अपील की। श्री षडंगी ने बताया कि संगीत की साधना के दौरान उनका जुड़ाव धीरे-धीरे माता की भक्ति से गहरा होता गया। इसी क्रम में माता की आराधना से जुड़े गीत मन में आने लगे।



अपने लोकप्रिय जसगीतों से श्रोताओं के बीच बनाई जगह

उन्होंने बताया कि जब गीतों को अपनी आवाज दी, तो श्रोताओं ने उन्हें खूब पसंद किया। जस गीतों के माध्यम से व्यापक पहचान मिली। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जस गीतों में माता की भक्ति की अद्भुत शक्ति है, जो श्रद्धालुओं को भावविभोर कर देती है। प्रदेश के बाहर भी इन गीतों को अच्छा प्रतिसाद मिलता है। पत्रकारों के बीच श्री षडंगी ने 'आमा पान के पतरी, करेला पान के दोना' और 'कोरी-कोरी नारियल चढ़े' जैसे लोकप्रिय जस गीत प्रस्तुत किए। गीतों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यादव, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू और भूपेश जांगड़े उपस्थित रहे। 'हमर पहुना' कार्यक्रम में भक्ति संगीत और लोक संस्कृति का यह संगम नवरात्रि के उत्साह को और खास बनाया।

कार्नर न्यूज

गुढ़ियारी रास गरबा मैदान में भक्तिमय महौल के बीच भव्य आगाज, प्रतिभागियों में दिखा उत्साह

गरबा नाइट्स में माता को रिझाने के लिए युवाओं ने भरी चौकड़ी छकड़ी और रासघोड़ा स्टेप संग डांडिया खेलते हुए जमाया रंग

रायपुर। माता की उपासना का पर्व शुरू होने के साथ ही उन्हें रिझाने के लिए रास गरबा नाइट्स की धूम मचने लगी है।इसके चलते भक्तिमय महौल भी बनने लगा है। सोमवार की रात घड़ी पर जैसे ही 9 बजे गरबा स्थल मारुति मंगल भवन गुढ़ियारी में पंखीड़ा ओ पंखीडा...के धुन पर प्रतिभागी चौकड़ी-छकड़ी, रासघोड़ा बेस्ड डांडिया खेलते हुए रंगत में नजर आए। शहर के पहले रास गरबा नाइट्स में डांडिया खेलने हर वर्ग के प्रतिभागियों का उत्साह दिखने को मिला। इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे रायपुरियंस ने उत्साह से उत्सव को सजाने का प्रयास किया। गरबा नाइट्स में डीजे में बजने वाले लोकप्रिया रास गरबा सॉग्स पर देर रात तक प्रतिभागी अपने साथियों, परिजनों और मित्रों के साथ भक्ति, आस्था, परंपरा और संस्कृति के रंग में नजर आए। नवरात्र में 19 अक्टूबर तक चलने वाले इस रास गरबा उत्सव में सभी आयु वर्ग के भक्त पारंपरिक रास गरबा का आनंद लेने उत्सुक दिखे। आयोजन में रात 8 बजे से प्रतिदिन रास गरबा नाइट्स सजेगा।





पारंपरिक परिधान और श्रृंगार से बिखेरा जलवा



पहले दिन पारंपरिक तरीके से पूजा- अर्चना के साथ गरबा नाइट्स का भव्य आगाज किया गया। इस आयोजन का हिस्सा बनने के लिए हर वर्ग के लोगों में उत्साह का महौल देखने को मिला। रास गरबा नाइट्स में सभी प्रतिभागी आनंद, शांति और भक्तिमय महौल में अपने परिवार जनों के साथ आनंद लेने पहुंचे। गरबा नाइट्स में भाग लेने पहुंचे प्रतिभागियों द्वारा पारंपरिक परिधान के साथ श्रृंगार का अनोखा मिश्रण देखने को मिला। प्रतिभागी चनिया-चोली, कुर्ता-पजामा, साफा सहित डिजिटल प्रिंट वाले आउटफिट में सज संवर कर डांडिया खेलते हुए जलवा बिखेरा। युवाओं में रास गरबा नाइट्स को लेकर क्रेज देखने को मिला।

प्रतिभागियों के लिए आकर्षक पुरस्कार

आयोजन समिति के सदस्य विकाश सेठिया ने बताया कि गरबा नाइट्स में प्रतिदिन प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, जिसके अंतर्गत डायमंड का रिंग नवकार ज्वेलर्स रायपुर की ओर से प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट गुढ़ियारी का विशेष सहयोग प्राप्त है। वहीं रास गरबा नाइट्स में पहुंचने वालों के लिए स्वाद का भी ख्याल रखा गया है। इसके लिए फूड्स जोन भी तैयार किया गया है, जहां लोग मन पसंद फूड्स को एंजॉय कर रहे हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के 392 रन, छत्तीसगढ़ ने दूसरी पारी में संभाला मोर्चा



रायपुर। रणजी ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ और सौराष्ट्र के बीच राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ ने पहली पारी में तीन विकेट पर 122 रन बना लिए। दिन का खेल समाप्त होने तक छत्तीसगढ़ सौराष्ट्र से 270 रन पीछे था। छत्तीसगढ़ की ओर से अनुज तिवारी 72 रन और मयंक वर्मा 32 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले टॉस जीतकर छत्तीसगढ़ ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सौराष्ट्र ने पहली पारी में 110.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 392 रन बनाए। सौराष्ट्र की ओर से प्रेरक मांकड़ ने 129 रन की शानदार पारी खेली, जबकि रविंद्र जडेजा ने 102 रन बनाए। इसके अलावा चिराग जानी ने 83 और जय गोहिल ने 31 रन का योगदान दिया।छत्तीसगढ़ की ओर से देव आदित्य सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट हासिल किए। वहीं, धर्मेंद्र सिंह जडेजा और अपना पहला रणजी मुकाबला खेल रहे रुद्र प्रताप देहरी ने दो-दो विकेट झटके। 392 रन के जवाब में छत्तीसगढ़ ने दूसरी पारी के बजाय अपनी पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 55 ओवर में तीन विकेट पर 122 रन बनाए।

राज्य स्तरीय जूडो चैंपियनशिप में बिलासपुर बना ओवरऑल चैंपियन, दुर्ग तीसरे स्थान पर



रायपुर। जिला खेल परिसर, सरकंडा में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर एवं कैडेट जूडो चैंपियनशिप का 10 अक्टूबर को समापन हुआ। प्रतियोगिता में 16 जिलों के 350 खिलाड़ियों एवं तकनीकी अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बिलासपुर ने 10 स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियन का खिताब हासिल किया। बलौदाबाजार-भाटापारा छह स्वर्ण, आठ रजत और सात कांस्य पदकों के साथ दूसरे, जबकि दुर्ग छह स्वर्ण, चार रजत और सात कांस्य पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।समापन समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने की। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए। तोखन साहू ने जूडो को विशेषकर बालिकाओं की आत्मरक्षा के लिए उपयोगी बताते हुए खिलाड़ियों को देश और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

छत्तीसगढ़ अंडर-19 टीम की लगातार तीसरी जीत, उत्तर प्रदेश को 7 विकेट से हराया



रायपुर। बीसीसीआई की वीनू मांकड़ अंडर-19 वनडे ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरी जीत दर्ज की। 12 अक्टूबर को पुडुचेरी में खेले गए मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने उत्तर प्रदेश को 7 विकेट से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तर प्रदेश की टीम 47.5 ओवर में 229 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भवि शर्मा ने 94 रन और हेमंत अवस्थी ने 50 रन की पारी खेली। छत्तीसगढ़ की ओर से धनंजय नायक ने तीन विकेट लिए, जबकि फैज खान और शिवम यादव ने दो-दो विकेट हासिल किए। 230 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने 43.4 ओवर में तीन विकेट खोकर 231 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। अमेय मोरे ने 107 गेंदों में 104 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं, आदित्य वर्मा ने 75 रन और कप्तान फैज खान ने नाबाद 18 रन बनाए। इस जीत के साथ छत्तीसगढ़ की टीम ने टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा।

विप्र कॉलेज लगातार छठवीं बार बना इंटर कॉलेज वॉलीबॉल चैंपियन



रायपुर। शासकीय महाविद्यालय गरियाबंद द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार छठवीं बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबले में विप्र कॉलेज ने शासकीय महाविद्यालय कुरूद को सीधे दो सेटों में 25-23 और 25-18 से हराकर खिताब अपने नाम किया। युवराज सिंह को बेस्ट सेटर घोषित किया गया, जबकि डॉ. ज्ञानेंद्र टीम मैनेजर रहे। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में विप्र कॉलेज ने टीसीएस गरियाबंद को 15-5 और 15-6 से हराया। इसके बाद महाराजा अग्रसेन कॉलेज को 15-5 और 15-7 से पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में विप्र कॉलेज ने मेजबान शासकीय महाविद्यालय गरियाबंद को कड़े मुकाबले में 25-12, 26-27 और 15-9 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

स्वाद और सेहत दोनों के लिए हैं बेस्ट

नवरात्रि व्रत के 9 दिन फलाहार में ट्राई करें अलग-अलग रेसिपीज

नवरात्र के पावन पर्व की शुरुआत हो चुकी है। इस बीच रोज-रोज एक ही तरह का फलाहार खाकर हर किसी का मन ऊब जाता है। ऐसे में, सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि हर दिन ऐसा क्या बनाया जाए, जो स्वाद में भी नया लगे और सेहत के लिए भी फायदेमंद साबित हो। जी हां, हम आपके लिए लेकर आए हैं 9 ऐसी खास और आसान रेसिपीज जिन्हें आप नवरात्र के 9 दिनों में हर दिन ट्राई कर सकते हैं और अपने व्रत के खाने को स्वादिष्ट और मजेदार बना सकते हैं।



शकरकंद बॉल्स

शकरकंद बॉल्स एक स्वादिष्ट और पौष्टिक विकल्प हैं। इन्हें बनाने के लिए, उबली हुई शकरकंद को मैश करके उसमें सेंधा नमक, काली मिर्च और भुना जीरा पाउडर मिला लें। फिर इसके छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर तल लें या एयर-फ्रायर में पका लें। आप इसे चटनी के साथ या सिर्फ ऐसे ही खा सकते हैं।

साबूदाना वड़ा

साबूदाना वड़ा व्रत में सबसे लोकप्रिय व्यंजनों में से एक है। इन्हें बनाने के लिए, भिगोए हुए साबूदाने को उबले आलू, कुटी हुई मूंगफली, हरी मिर्च और सेंधा नमक के साथ मिलाएं। फिर इसके वड़े बनाकर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। इसे दही या व्रत वाली चटनी के साथ सर्व करें।

पान की मिठाई

यह एक अनोखी और स्वादिष्ट मिठाई है। इसे बनाने के लिए, पान के पत्तों को पीसकर उसमें गुलकंद, सौंफ, और कुछ मेवे मिलाकर छोटी-छोटी बॉल्स बना लें। यह न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि ताजगी भी देती है।

पनीर केला रोल्स

यह एक प्रोटीन से भरपूर स्नैक है। इसे बनाने के लिए, मैश किए हुए पनीर और कच्चे केले को हरी मिर्च, सेंधा नमक और मसालों के साथ मिलाकर रोल बनाएं। इन्हें हल्का तलकर या पैन-फ्राई करके खाएं।

फलों का श्रीखंड

व्रत में कुछ मीठा और ठंडा खाने का मन करे तो फलों का श्रीखंड सबसे अच्छा विकल्प है। हंग कर्ड (गाढ़े दही) में पिसी हुई चीनी, इलायची पाउडर और अपनी पसंद के ताजे फल जैसे अंगूर, सेब और अनार के दाने मिला दें। इसे ठंडा करके परोसें।

समा चावल फिरनी

समा के चावल से बनी फिरनी एक स्वादिष्ट और क्रीमी डेजर्ट है। इसे बनाने के लिए, समा चावल को दूध में पकाकर उसमें चीनी और इलायची पाउडर मिला लें। ऊपर से कटे हुए मेवे डालकर परोसें।

साबूदाना वॉफल

अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो साबूदाना वॉफल बना सकते हैं। भिगोए हुए साबूदाने को आलू और मसालों के साथ मिलाकर वॉफल मेकर में पकाएं। यह बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम होते हैं।

राजगिरा लड्डू

राजगिरा लड्डू एक ट्रेडिशनल और एनर्जी देने वाला फलाहार है। राजगिरा के दानों को भूनकर गुड़ की चाशनी में मिलाकर छोटे-छोटे लड्डू बना लें। ये उपवास के दौरान आपको ऊर्जावान बनाए रखते हैं।

बादाम रोज हलवा

यह हलवा न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। बादाम को पीसकर घी में भूनें और उसमें दूध, चीनी और गुलाब जल या रोज एसेंस मिला दें। यह एक शाही और पौष्टिक मिठाई है।

घर पर स्वादिष्ट पापड़ी चाट बनाने के लिए अपनाएं ये आसान स्टेप्स

पापड़ी चाट एक स्वादिष्ट और कुरकुरी स्नैक है, जिसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं। यह चाट खासतौर से गर्मियों में बनाई जाती है क्योंकि इसमें इस्तेमाल होने वाले सामग्री ताजे और सेहतमंद होते हैं। इस चाट की खासियत इसकी कुरकुरी पापड़ियों और मसालेदार चटनी में है। आइए आज हम आपको घर पर पापड़ी चाट बनाने की आसान रेसिपी बताते हैं, जिसे आप कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकते हैं।



पापड़ियां बनाने का तरीका : पापड़ियां बनाने के लिए आपको बेसन, अजवाइन, नमक और पानी की जरूरत होगी। बेसन में अजवाइन मिलाकर उसे पानी से गूंथ लें ताकि एक नरम आटा तैयार हो सके। अब इस आटे को छोटी-छोटी गोल आकार में बेल लें। इसके बाद इन्हें धीमी आंच पर गर्म तेल में तलें जब तक कि वे सुनहरी न हो जाएं। तली हुई पापड़ियों को एक प्लेट में निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।

आलू भरने की विधि : आलू भरने के लिए आपको उबले हुए आलू, हरी मिर्च, नमक, धनिया पत्ती और नींबू का रस चाहिए। उबले हुए आलू को छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक बर्तन में इन टुकड़ों को हरी मिर्च, नमक और नींबू के रस के साथ मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाने के बाद आपका आलू भरने के लिए तैयार हो जाएगा।

चटनी बनाने का तरीका : पापड़ी चाट के लिए आपको 3 प्रकार की चटनियों की जरूरत होगी, जो कि हरी चटनी, इमली की चटनी और दही है। हरी चटनी बनाने के लिए पुदीना, हरी मिर्च, लहसुन और नमक को मिक्सर में डालकर पीस लें। इमली की चटनी बनाने के लिए इमली, गुड़, लाल मिर्च पाउडर और नमक को मिक्सर में डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। दही के लिए दही को अच्छे से फेंटें।

चाट को अंतिम रूप कैसे दें : अब बारी आती है चाट को अंतिम रूप देने की। सबसे पहले एक प्लेट में तली हुई पापड़ियों को रखें, फिर इसके ऊपर उबले हुए आलू का मिश्रण डालें। इसके बाद ऊपर से हरी चटनी, इमली की चटनी और दही डालें। अंत में इस पर थोड़ा सा भुना जीरा पाउडर और लाल मिर्च पाउडर छिड़कें। आपकी स्वादिष्ट पापड़ी चाट तैयार है। इसे तुरंत परोसें ताकि इसका कुरकुरापन बना रहे।

नवरात्रि उपवास के लिए तैयार करें स्नैक्स, कम समय में झटपट बनाएं



सनातन धर्म में चैत्र नवरात्रि का पर्व बड़े ही धूमधाम से मना जाता है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ दिनों तक नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। कई लोग नवरात्रि के नौ दिनों तक व्रत भी रखते हैं। इस दौरान फलाहार और हल्का भोजन किया जाता है, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती रहे और भूख न लगे। कई बार कम समय होने के चलते लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाएं, खासकर ऑफिस जाने वालों को ये समस्या रहती है। ऐसे में यहां पर आसान व्रत रेसिपी बताई गई हैं, जिसे व्रत के दौरान कम समय में बना सकते हैं।

सिंघाड़े का आटे के पकौड़े : व्रत के दौरान सिंघाड़े के आटे से बनी चीजों का सेवन खूब किया जाता है। ऐसे में नवरात्रि के दिनों में इसके पकौड़े बना सकते हैं। इसके लिए एक कप सिंघाड़े के आटे में, सेंधा नमक, जीरा, लाल मिर्च पाउडर और पानी मिलाकर घोल तैयार कर लें। इसमें उबले आलू और हरा धनिया डालकर स्वाद बढ़ा सकते हैं।

कुट्टू आटे के पैनकेक : कुट्टू आटे से पैनकेक बना सकते हैं। यह एक हल्का और पौष्टिक नाश्ता होता है। इसके लिए 1 कप कुट्टू का आटा, 1 कप दही, हरी मिर्च, जीरा और सेंधा नमक मिलाकर बैटर तैयार कर लें। तवे पर हल्का घी डालकर गर्म कर लें और फिर इसपर बैटर को डालकर फैल दें। जब ये दोनों तरफ से सुनहरा हो जाए, तो इसे परोस सकते हैं।

साबूदाना वड़ा : किसी भी उपवास के दौरान सबसे अधिक खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों में से एक साबूदाना भी है। नवरात्रि के दिनों में साबूदाना वड़ा बना सकते हैं। इसके लिए 1 कप साबूदाना भिगोकर रात में रख दें। सुबह इसे छानकर इसमें उबले आलू, पीसी हुई मूंगफली, अदरक, हरी मिर्च और सेंधा नमक मिलाकर घी में तल लें। जब दोनों तरफ से सुनहरा हो जाए तो इसे सर्व कर सकते हैं।

सामक चावल की खिचड़ी : सामक चावल को समा का चावल भी कहा जाता है। व्रत के दौरान इसकी लोग खिचड़ी बना कर खाते हैं। नवरात्रि उपवास के दौरान आधा कप सामक चावल भिगोकर 2-3 घंटे के लिए रख दें। इसके बाद इसमें आलू, घी, जीरा, हरी मिर्च और सेंधा नमक डालकर कुकर में पका सकते हैं।

बिजनेस साइट

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह : रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट गुलाबी रोशनी से जगमगाया



रायपुर। ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट को गुलाबी रोशनी से रोशन किया गया। इस पहल के जरिए महिलाओं को स्तन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, असामान्य बदलावों पर ध्यान देने और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने का संदेश दिया गया। अस्पताल के विशेषज्ञों ने बताया कि शुरुआती अवस्था में स्तन कैंसर की पहचान होने से उपचार के बेहतर परिणाम मिलने की संभावना बढ़ती है। सर्जिकल, मेडिकल और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के विशेषज्ञ मरीजों को उनकी जरूरत के अनुसार समन्वित उपचार उपलब्ध कराते हैं। वरिष्ठ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. मौ रॉय ने कहा कि महिलाओं को स्तन स्वास्थ्य पर खुलकर बात करनी चाहिए और किसी भी असामान्य बदलाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रवि जायसवाल ने बताया कि आधुनिक उपचार पद्धतियों से मरीजों के लिए नए विकल्प उपलब्ध हुए हैं। रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. गौरव गुप्ता ने आधुनिक रेडिएशन तकनीक के महत्व पर प्रकाश डाला। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि जागरूकता, समय पर जांच और उचित उपचार स्तन कैंसर से मुकाबले में महत्वपूर्ण हैं।

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक सेंटर में पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. वंदना सार्वा ने संभाली जिम्मेदारी



रायपुर। पंडरी स्थित राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर में आयुर्वेदिक चिकित्सक एवं पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. वंदना सार्वा के जुड़ने से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। उनके मार्गदर्शन में मरीजों को पंचकर्म चिकित्सा, आयुर्वेदिक उपचार और व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा मिलेगी। सेंटर में महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याओं, पीसीओडी-पीसीओएस, अनियमित मासिक धर्म, जोड़ों के दर्द, कमर दर्द, साइटिका और मांसपेशियों की कमजोरी सहित विभिन्न समस्याओं के लिए परामर्श उपलब्ध होगा। इसके अलावा मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज, फैटी लिवर, पाचन संबंधी परेशानी, त्वचा एवं बालों की समस्याओं, एलर्जी, अनिद्रा और तनाव के मामलों में भी आवश्यकतानुसार आयुर्वेदिक देखभाल की जाएगी। प्रबंधन के अनुसार, उपचार में मरीज की शारीरिक प्रकृति, आहार-विहार और दिनचर्या को ध्यान में रखते हुए पंचकर्म, योग एवं जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन पर जोर दिया जाएगा। डायरेक्टर डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव के नेतृत्व में यह पहल की गई है।

सफेद दाग से न घबराएं, सही इलाज से संभव है नियंत्रण : डॉ. मनोज अग्रवाला



रायपुर। सफेद दाग (विटिलिगो) को लेकर समाज में कई भ्रांतियां हैं। इसे छूत की बीमारी या कुष्ठ रोग समझना गलत है। चौबे कॉलोनी स्थित एमए स्किन एंड हेयर क्लीनिक के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज अग्रवाला ने बताया कि विटिलिगो एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरोधक प्रणाली त्वचा का रंग बनाने वाली कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने बताया कि कुछ मरीजों में पारंपरिक उपचार के बावजूद दाग बढ़ते रहते हैं। ऐसे मामलों में उपाडासिटिनिब जैसी टारगेटेड दवा पर शोध और चिकित्सकीय अनुभव नई संभावनाएं दिखाते हैं। उनके अनुसार, एक किशोर मरीज में उपचार के बाद नए दाग बनने पर नियंत्रण और चेहरे की त्वचा के रंग में सुधार देखा गया। डॉ. अग्रवाला ने स्पष्ट किया कि यह दवा सभी मरीजों के लिए उपयुक्त नहीं है। इसका इस्तेमाल विशेषज्ञ की सलाह और आवश्यक जांच के बाद ही किया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि घरेलू नुस्खों और अप्रमाणित उपचारों से बचें तथा सफेद दाग होने पर प्रमाणित त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श लें।

अक्टूबर की ठंडी शामों के लिए ऐसे करें कपड़ों की लेयरिंग, ठंड से बचें, दिखें खास

अक्टूबर की ठंडी शामें सुकून भरी होती हैं, लेकिन इनकी ठंड से बचने के लिए सही कपड़े चुनना जरूरी है। इस समय तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है, जो हल्के स्वेटर या जैकेट पहनने का सही मौका है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन शामों में आरामदायक और स्टाइलिश महसूस कर सकते हैं

जींस के अंदर लेगिंग पहनें

नीचे जींस पहनकर अपने लुक को पूरा करें। जींस हमेशा से ही लोकप्रिय रही हैं, क्योंकि ये हर मौसम में चलती हैं और इन्हें कई तरह के टॉप के साथ पहना जा सकता है। ठंड ज्यादा हो तो बचाव के लिए जींस के अंदर एक अच्छी गुणवत्ता वाली लेगिंग भी लेयर कर लें। इससे आपके पैर गर्म रहेंगे और उन्हें आराम भी मिलेगा। लेगिंग के अलावा आप जेगिंग या स्टॉकिंग भी पहन सकते हैं।

स्वेटर या कार्डिगन चुनें

हल्के कपड़ों के ऊपर एक सुंदर स्वेटर या कार्डिगन पहनें। यह न केवल आपको गर्म रखेगा, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाएगा। ऊनी या एक्रिलिक स्वेटर चुनें, जो हल्के हों और आसानी से पहने जा सकें। आप चाहें तो अलग-अलग रंगों और डिजाइनों में स्वेटर या कार्डिगन चुन सकते हैं, जो आपके बाकी कपड़ों के साथ मेल खाते हों। इस तरह आप आरामदायक भी रहेंगे और स्टाइलिश भी दिखेंगे।



पहनें सूती या लिनेन के कपड़े

अक्टूबर की ठंडी शामों में हल्के कपड़े पहनना सबसे अच्छा तरीका है। सूती या लिनेन के कपड़े न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि त्वचा को हवा भी लगने देते हैं। इनमें आप सहज महसूस करेंगे और ठंड से भी बच सकेंगे। इसके अलावा ये कपड़े आसानी से धोए जा सकते हैं और जल्दी सूख जाते हैं, जिससे आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। इनकी देखभाल भी आसान होती है, जो इन्हें रोजमर्रा के उपयोग के लिए सही बनाता है।

जूते का ध्यान रखें

जूते का चुनाव भी उतना ही अहम है, जितना कि बाकी कपड़ों का। ठंडी शामों में आरामदायक जूते चुनें, जैसे कि स्नीकर्स या लोफर्स। ये न केवल आपके पैरों को आराम देंगे, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना देंगे। इसके अलावा आप चाहें तो हल्के मोजे भी पहन सकते हैं, जो आपके पैरों को गर्म रखेंगे और ठंड से बचाएंगे। इस तरह आप पूरी तरह से तैयार रहेंगे और ठंड से सुरक्षित भी रहेंगे।

एक्सेसरीज न भूलें

एक्सेसरीज आपके लुक को खास बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। मफलर, टोपी या स्कार्फ जैसी एक्सेसरीज न केवल स्टाइलिश होती हैं, बल्कि ठंड से भी बचाती हैं। इनसे आपका लुक पूरा होता है और आप हर जगह आकर्षक दिखते हैं। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अक्टूबर की ठंडी शामों में आरामदायक और स्टाइलिश महसूस कर सकते हैं। सही कपड़ों की लेयरिंग से ठंड से बचें और हर मौके पर खास दिखें।

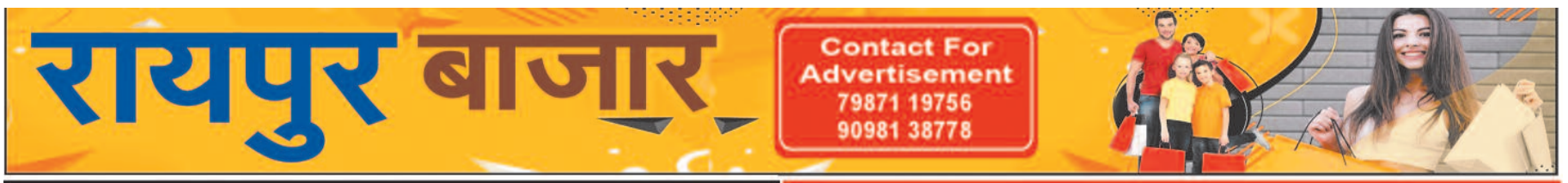





कंपनियों ने बैन लगने से पहले बाजार में खफाया भारी स्टॉक

जागो ग्राहक....तेल में वजन का खेल अब भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

खाद्य तेलों में करीब एक साल से वजन कम करके जो मनमाने दाम वसूलने का खेल चल रहा था, उस पर अब केंद्र सरकार ने पूरी तरह से बैन लगा दिया है। अब उत्पादक कंपनियों ने पहले की तरह ही एक लीटर का पाउच बनाना प्रारंभ कर दिया है। लेकिन इसके पहले कम वजन वाले पाउच का भारी मात्रा में स्टॉक बाजार में बेचा गया। इसके कारण बाजार में खासकर चिल्हर कारोबारियों के पास थोक में कम वजन वाले पाउच हैं। इनकी कीमत भी बहुत ज्यादा है। ऐसे में त्योहारी सीजन में ग्राहक ठगे जा रहे हैं।



उत्पादक कंपनियों को वजन में छूट मिलने के बाद एक लीटर के स्थान पर 650, 750 और 800 एमएल के पाउच बनाकर ग्राहकों को भ्रम में डालकर ठगने का काम किया गया। कम वजन की छूट जिस मकसद से दी गई थी, उसके स्थान पर ग्राहक लूट रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने ग्राहकों को राहत देने के लिए वजनों का एक बार फिर से मानक तय कर दिया है। लेकिन इसी के साथ कंपनियों और कारोबारियों को अपना पुराना स्टाक खपाने के लिए समय भी दिया गया। कंपनियों से 5 सितंबर के बाद इसका उत्पादन बंद करने के लिए कहा गया। कंपनियों ने अब इसका उत्पादन तो बंद कर दिया है, लेकिन डेडलाइन के पहले भारी स्टॉक बाजार में बेचा गया। 5 सितंबर के पहले बने पाउच पर कोई एक्शन नहीं हो सकता है, इसका ही फायदा उठाया जा रहा है।

कम वजन की कीमत ज्यादा

केंद्र सरकार ने तो गरीब परिवारों को राहत देने के लिए खाद्य तेलों के पाउच को किसी भी वजन में बनाने की छूट दी थी, लेकिन इस छूट में कई कंपनियां लूट करने लगी। छूट मिलने के बाद इसके पैक अलग-अलग कंपनियां अपनी मर्जी से कर रही थी तो इसमें कीमत का खेल हो रहा था। कम वजन के कारण दाम ज्यादा देने पड़ रहे थे। इस समय भी बाजार में जो कम वजन पाउच है, उसमें ज्यादा कीमत वसूलने का खेल चल रहा है।

खबर संक्षेप



भाजपा ने किया राजमाता सिंधिया को याद

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने सोमवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने राजमाता के त्याग, तपस्या और संगठन निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान को स्मरण किया। इस दौरान झारखण्ड के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, भाजपा प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी, रायपुर ग्रामीण जिला प्रभारी सुरेन्द्र पाटनी सहित भाजपा पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने राजमाता को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पीएससी भर्ती पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की भर्ती प्रक्रिया को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने पीएससी-2025 की मुख्य परीक्षा के बाद साक्षात्कार स्थगित किए जाने और निर्धारित अनुपात में अभ्यर्थियों का चयन नहीं होने पर आपत्ति जताई है।



उन्होंने आयोग से मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराने, मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने और साक्षात्कार स्थगित करने का कारण स्पष्ट करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनने के बाद प्रदेश में पीएससी की भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा, राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष का पद भी करीब एक महीने से रिक्त है। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया से जुड़े सवालों का समय पर जवाब मिलना जरूरी है। कांग्रेस संचार प्रमुख के मुताबिक, पीएससी-2025 की सिविल सेवा परीक्षा में 265 पदों के विरुद्ध नियमानुसार 1:3 के अनुपात में 795 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए चयनित किया जाना चाहिए था।

पटवारियों की बेमुद्दत हड़ताल आज से

रायपुर। छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ के आव्हान पर प्रदेशभर के पटवारी पीवी एप की व्यावहारिक और तकनीकी समस्याओं का निराकरण नहीं होने, पटवारियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई और वर्षों से लंबित मांगों को लेकर 13 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे। राजस्व पटवारी संघ की प्रांतीय इकाई के आव्हान पर जिला शाखा रायपुर के सभी पटवारी हड़ताल में शामिल होंगे। इस संबंध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। प्रदेशभर के पटवारियों ने शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 13 अक्टूबर से प्रदेशभर के पटवारी काम ठप कर अनिश्चिताकालीन हड़ताल पर रहेंगे। राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष भागवत कश्यप ने बताया कि वर्तमान में डिजिटल एप के माध्यम से कराए जा रहे फसल के भौतिक सत्यापन कार्य में आ रही विभिन्न व्यावहारिक और तकनीकी समस्याओं को लेकर पूर्व में शासन और विभाग को ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया था।

महादेवघाट विसर्जन कुंड के समीप 50 वेंडिंग यूनिट का प्रस्ताव

रायपुर, बिलासपुर समेत पांच शहरों का बदलेगा जायका, बनेंगे 314 स्ट्रीट फूड हब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत राज्य के पांच शहरों रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, जशपुर, मुंगेली में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) के तहत 314 फूड स्ट्रीट हब बनाए जाने हैं। प्रदेश सरकार ने इस संबंध में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है। साथ ही स्ट्रीट वेंडरों को उनके कारोबार के लिए लोन देने की प्रक्रिया भी तेज करने के निर्देश दिए गए हैं, हालांकि बैंकों के पास हजारों आवेदन लंबित हैं और 20185 आवेदन बैंकों द्वारा वापस भी कर दिए गए हैं।



किस शहर में कहां और कितने फूड हब

पीएम स्वनिधि योजना की पिछले महीने हुई राज्य स्तरीय निगरानी समिति की पहली बैठक के कार्यवाही विवरण के अनुसार, रायपुर में महादेवघाट विसर्जन कुंड के समीप 1.97 करोड़ रुपए की लागत से 50 वेंडिंग यूनिट बनाने का प्रस्ताव है। बिलासपुर में अशोक नगर तथा इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप 4 करोड़ की लागत से 100 यूनिट, जगदलपुर में दलपत सागर के समीप 1.99 करोड़ की लागत से 50 यूनिट बनाने की योजना है। जशपुर में देशबांध भोज चौपाटी, शासकीय बालक हाईस्कूल के समीप 4 करोड़ की लागत से 50 यूनिट तथा लोरमी में कनाल रोड (मंगलम) क्षेत्र में 3.87 करोड़ की लागत से 64 यूनिट बनाने का प्रस्ताव है। इन प्रस्तावों को केंद्र सरकार के समक्ष भेजने की प्रक्रिया के निर्देश दिए गए हैं।

बैंकों के पांस लंबित है हजारों ऋण आवेदन

बैंकवार आंकड़ों के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास स्वीकृति के लिए 2,857 और ऋण वितरण के लिए 253 मामले लंबित हैं। भारतीय स्टेट बैंक के पास क्रमशः 2,849 और 722 मामले, जबकि पंजाब नेशनल बैंक के पास 1,925 और 207 मामले लंबित दर्ज हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के पास स्वीकृति के लिए 1,618 और वितरण के लिए 365 मामले लंबित हैं। समिति ने अधिक लंबित मामले रखने वाले बैंकों की समीक्षा करने और बेहतर प्रदर्शन करने वाले बैंकों को प्रोत्साहित करने का निर्णय भी लिया है।

क्या है पीएम स्वनिधि योजना

पीएम स्वनिधि केंद्र सरकार की योजना है, जिसे सड़क किनारे ठेला लगाने वाले, रेहड़ी-पटरी पर सामान बेचने वाले और अन्य स्ट्रीट वेंडरों को अपना कारोबार चलाने तथा बढ़ाने के लिए आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसके तहत पात्र वेंडरों को बैंक के माध्यम से ऋण दिया जाता है, ताकि वे कारोबार के लिए जरूरी सामान खरीद सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। योजना में डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने और स्ट्रीट वेंडरों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने पर भी जोर दिया जाता है।

2.13 लाख पात्र आवेदन 1.73 लाख को मिला ऋण

योजना के तहत प्रदेश में कुल 2,13,996 पात्र आवेदन दर्ज किए गए हैं। इनमें से 1,77,786 आवेदन स्वीकृत हुए और 1,73,336 आवेदकों को ऋण वितरित किया गया है। वहीं, 16,025 आवेदन स्वीकृति के लिए और 4,450 आवेदन ऋण वितरण के स्तर पर लंबित हैं। दस्तावेज में 20,185 आवेदन बैंकों द्वारा वापस किए जाने का आंकड़ा भी दर्ज है।

लक्ष्य के मुकाबले आधे से कम काम

वर्ष 2030 तक योजना के तीन चरणों में कुल 3,73,230 ऋण वितरित करने का लक्ष्य है। पहले चरण में 2,26,200, दूसरे चरण में 1,13,100 और तीसरे चरण में 33,930 ऋण देने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक पहले चरण में 1,21,021, दूसरे चरण में 40,837 और तीसरे चरण में 11,478 आवेदनों पर ऋण वितरित किया गया है। तीनों चरणों को मिलाकर लक्ष्य के मुकाबले प्रगति 46.44 प्रतिशत है। ऋण वितरण में तेजी लाने के लिए बैठक में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) को लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराने के निर्देश दिए गए। नगरीय निकायों को संबंधित बैंकों के साथ लगातार समन्वय स्थापित कर आवेदन स्वीकृति और ऋण वितरण की प्रक्रिया पूरी कराने को कहा गया है।

राज्य को मिला पहला शासकीय होम्योपैथी कालेज 63 सीटों पर होगा प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चिकित्सा शिक्षा के विस्तार एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में राज्य को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग नई दिल्ली एमएआरबीएच ने नवा रायपुर के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएचएमएस) पाठ्यक्रम की 63 सीटों पर प्रवेश के लिए सशर्त अनुमति पत्र सोमवार को जारी किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से नवा रायपुर में राज्य के पहले नवीन होम्योपैथी महाविद्यालय को प्रवेश की अनुमति मिलना राज्य में आयुष चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इससे विद्यार्थियों को होम्योपैथी चिकित्सा में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर बढ़ेंगे। राज्य में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहित करने तथा चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर विकसित करने की दिशा में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

- राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग से इसी सत्र में बीएचएमएस पाठ्यक्रम की अनुमति

होम्योपैथी आयोग ने किया था परीक्षण-निरीक्षण

राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के चिकित्सा आकलन एवं रेटिंग बोर्ड द्वारा महाविद्यालय की स्थापना एवं शैक्षणिक सत्र 2026-27 से बीएचएमएस पाठ्यक्रम प्रारंभ करने संबंधी आवेदन का परीक्षण किया गया। इस क्रम में आयोग द्वारा 21 एवं 22 जुलाई 2026 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया था। निरीक्षण प्रतिवेदन, उपलब्ध संसाधनों, निर्धारित मानकों तथा सुनवाई के दौरान प्रस्तुत अनुपालन विवरण का परीक्षण करने के उपरांत बोर्ड द्वारा 12 अक्टूबर को सशर्त अनुमति पत्र जारी किया गया। कुल स्वीकृत 63 सीटों में न्यूनतम 15 प्रतिशत सीटें अखिल भारतीय कोटे के अंतर्गत रहेंगी, जबकि शेष 85 प्रतिशत सीटों पर संबंधित राज्य अथवा केंद्रशासित प्रदेश की सक्षम काउंसलिंग संस्था द्वारा नियमानुसार प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जाएगी। स्वीकृत प्रवेश क्षमता में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की सीटें भी शामिल हैं।

अब शामिलात खाते में सिर्फ लंबरदार का एग्रीस्टैक पंजीयन

- छत्तीसगढ़ में एगीस्टैक पोर्टल में शामिलात खातों के पंजीयन से छूट, किसानों को बड़ी राहत
- अब संयुक्त खाते में धान बेचने के लिए सभी सह-खातेदारों का अलग-अलग पंजीयन जरूरी नहीं



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को राज्य सरकार ने बड़ी राहत दी है। पूर्व में जारी आदेश को वापस लेते हुए शामिलात यानी संयुक्त खातों में दर्ज सभी सह-खातेदारों के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल पर अलग-अलग पंजीयन कराने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। नई व्यवस्था के अनुसार, ऐसे खातों में धान विक्रय के लिए केवल लंबरदार का एग्रीस्टैक पंजीयन पर्याप्त होगा।

सरकार के इस फैसले से विशेष रूप से ऐसे किसान परिवारों को सुविधा मिलेगी, जिनकी जमीन बंटवारे के अभाव में अभी भी संयुक्त खाते में दर्ज है। पंजीयन की अनिवार्यता के कारण संयुक्त खातेदार किसानों को आ रही परेशानियों और शिकायतों के बाद यह निर्णय लिया गया है। पहले संयुक्त खाते में दर्ज सभी सह-खातेदारों का अलग-अलग पंजीयन कराने की व्यवस्था लागू की गई थी। इससे कई किसानों को तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था और उन्हें पंजीयन के लिए सहकारी समितियों के चक्कर लगाने पड़ रहे थे।

इन कारणों से वापस लिया आदेश

फैसले के पीछे के कारणों को लेकर बताया गया है कि संयुक्त खातों में एक ही जमीन पर परिवार के कई सदस्यों के नाम दर्ज होने से सभी का अलग-अलग पंजीयन कराना मुश्किल हो रहा था। कई परिवारों में जमीन का वास्तविक बंटवारा हो चुका होता है, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में नाम संयुक्त रहते हैं। तकनीकी और दस्तावेजी अड़चनें, इसमें आधार, भूमि रिकॉर्ड और पोर्टल पर दर्ज जानकारी में अंतर होने पर पंजीयन में परेशानी आ रही थी। पंजीयन संबंधी समस्याओं के कारण किसानों को समय पर पंजीयन कराने और उपज बेचने में कठिनाई हो सकती है। वास्तविक खेती करने वाले किसान को राहत देते हुए संयुक्त खाते के लंबरदार के माध्यम से पंजीयन की सुविधा मिलने पर प्रक्रिया सरल हो सकती है।

पंजीयन के लिए सोसाइटियों के चक्कर

सरकार के इस फैसले से उन हजारों किसानों और उनके परिवारों को राहत मिली है, जो पिछले करीब साढ़े तीन महीने से पंजीयन की प्रक्रिया को लेकर परेशान थे। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर के बाद शुरू होने की उम्मीद है। इससे पहले संयुक्त खातेदारों के सभी सदस्यों का पंजीयन अनिवार्य किए जाने के बाद किसानों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई थी।

सभी जिलों से उठी थी अनिवार्यता खत्म करने की मांगः पंजीयन में आ रही परेशानियों को लेकर प्रदेश के विभिन्न जिलों से किसानों ने शिकायतें की थीं। किसान संगठनों ने भी सरकार से शामिलात खाते के सभी सदस्यों के पंजीयन की अनिवार्यता खत्म करने की मांग उठाई थी। विरोध बढ़ने के बाद आखिरकार शासन को अपने पूर्व आदेश में बदलाव करना पड़ा। इसके बाद राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर नियम में राहत दी।



सेवा संकल्प यात्रा में शामिल भाजयुमो के युवाओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे होने पर वडनगर और वाराणासी से निकाली गई सेवा संकल्प बाइक यात्रा में शामिल प्रदेश के भाजयुमो के युवाओं का सोमवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास में सम्मान किया।

श्री साय ने कहा, छत्तीसगढ़ के भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने वाराणसी और प्रधानमंत्री की जन्मभूमि वडनगर जाकर सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हमारे युवा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की तपस्या से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने छत्तीसगढ़ से वाराणसी से वडनगर गए भाजयुमो कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हमारे युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने वाराणसी और वडनगर में जाकर जो सेवा कार्य किए हैं, वह अत्यंत सराहनीय है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, सरगुजा संभाग प्रभारी अवधेश चंदेल, अभियान प्रभारी जगदीश रोहरा, बस्तर संभाग सह प्रभारी हरपाल सिंह, भाजयुमो प्रदेश प्रभारी वैभव बैस, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रहित में था जेपी का संपूर्ण आंदोलन व संघर्ष



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोकनायक जयप्रकाश नारायण व नानाजी देशमुख के जयंती समारोह में लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने कहा, भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण, नानाजी देशमुख भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखने वाले अमर सेनानी हैं। यही कारण है कि जब आपातकाल के काले अध्याय के दौरान जब देश का लोकतांत्रिक ताना-बाना खतरे में था, तब उन्होंने सरकार के खिलाफ सिंहासन खाली करो कि जनता आती है, का शंखनाथ कर इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार पंकज झा ने कहा, जेपी का संपूर्ण आंदोलन व संघर्ष विशुद्ध रूप से राष्ट्रहित में था। उन्होंने सत्ता की मनमानी के विरुद्ध संपूर्ण क्रांति का शंखनाद कर देश को नई दिशा दी। उन्होंने कहा, राजनीति से ऊपर उठकर उनका ग्राम विकास व अंत्योदय आज भी प्रासंगिक है। समारोह के अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र पाटनी ने कहा, जयप्रकाश का संदेश था, कुर्सी कितनी भी बड़ी क्यों न हो, वह जनता से बड़ी नहीं हो सकती। कार्यक्रम में सेनानी संघ के प्रदेश महामंत्री असित भट्टाचार्य, जिला अध्यक्ष सुभाष देशपांडे, प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस, नारी शक्ति प्रदेश अध्यक्ष सीमा शर्मा, आलोक श्रीवास्तव ,नरेंद्र शर्मा, बसंत, शशांक शुक्ला, कमल रंधावा, अर्चना बोरा, बरखा गुप्ता ,रिमझिम गुप्ता, गायत्री साहू ,नरेंद्र यादव, दिपाली चौधरी, सोनू जैन, शिवप्रकाश तिवारी, ज्योति जंघेल सहित बड़ी मात्रा में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

राशन दुकानों में हर माह 4 लाख बारदानों का इस्तेमाल इनमें 20 प्रतिशत भी मार्कफेड में वापस जमा नहीं होते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत रायपुर जिले के उचित मूल्य की दुकानों में हर महीने पीडीएस चावल का भंडारण में 4 लाख बारदानों का इस्तेमाल होता है। शासन के निर्देश के तहत खाली होने के बाद इन बारदानों को छत्तीसगढ़ सहकारी विपणन संघ मर्यादित में जमा किया जाना है। जमा बारदानों के लिए समूहों को तय राशि का भुगतान भी किया जाता है। इसके बावजूद हर महीने 20 प्रतिशत बारदाने भी जमा नहीं किए जा रहे हैं। यही कारण है कि चालू वर्ष में अप्रैल से लेकर सितंबर माह तक 16 लाख बारदानों में लगभग 37 प्रतिशत 5 लाख 92 हजार बारदाने ही जमा किए गए हैं, जबकि 10 लाख 8 हजार बारदाने अब तक जमा नहीं किए गए हैं। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आगामी महीने में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी होनी है, जिसमें 50 प्रतिशत पुराने बारदानों का इस्तेमाल होता है, इसलिए जमा नहीं करने वाली दुकान, समूहों को नोटिस जारी किया है, जिसके बाद से बारदाने जमा करने की प्रक्रिया में तेजी आई है।

बारदाने जमा करने दिया है नोटिस



पुराने बारदाने जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध एक्शन लिया जाएगा। सभी दुकानदारों को 70 प्रतिशत बारदाने जमा करने निर्देशित किया है। इस संबंध में कई दुकानों को नोटिस भी जारी किया है।

- जशबीर सिंह बघेल, डीएमओ, सहकारी विपणन संघ, रायपुर

70 प्रतिशत बारदाने जमा करने के निर्देश

विभाग ने प्रत्येक उचित मूल्य दुकानदार को हर महीने कुल भंडारण किए गए बारदानों में 70 से प्रतिशत जमा करने निर्देशित किया है। इस निर्देश का पालन जिले में बहुत कम दुकानदार पालन करते हैं, क्योंकि जो दुकानदार बारदाने जमा करते हैं, उनके द्वारा भी अधिकतम 40 प्रतिशत ही बारदाने जमा किए जाते हैं। इस तरह हर महीने जिले में लाखों पुराने बारदाने जमा नहीं होते।

150 से कम दुकानदार ही 30-40 प्रतिशत जमा करते हैं बारदाने

जिलेभर में उचित मूल्य की 717 दुकानें हैं। इनमें कई ज्यादातर स्व-सहायता समूह की दो या उससे अधिक दुकानें हैं, इनमें कई समूहों में कई दुकानें अटैच की गई हैं। इस तरह हर महीने इन दुकानों में पीडीएस चावल बारदानों में भरकर कार्डधारकों को वितरण के लिए भेजा जाता है। चावल वितरण के बाद खाली बारदानों को विभाग 25 रुपए प्रति नग की दर से खरीदी करता है, जिनका इस्तेमाल शासन द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में किया जाता है।

उपार्जन केंद्रों में 50-50 प्रतिशत नए-पुराने बारदाने का उपयोग

शासन के निर्देश के अनुसार उपार्जन केंद्रों की समितियों को धान खरीदी के लिए बारदाने उपलब्ध कराए जाते हैं। इन बारदानों में 50 प्रतिशत नए और 50 प्रतिशत पुराने बारदाने होते है। धान बेचने वाले पंजीकृत किसानों को भी इसी अनुपात में समितियों द्वारा बारदाने उपलब्ध कराए जाते हैं। किसान इन बारदानों में धान भरकर उसे बेचने उपार्जन केंद्रों में पहुंचते हैं।